



ଆଉ ଖେଳି
ନ ପାଉଛି ପାଣ୍ଡ୍ୟା

୧୨ ଦେଖନ୍ତୁ...

- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalpaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

ସକାଳ

THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

• VOLUME- 43 • ISSUE-308 • THURSDAY • 07 MAY 2026 • PAGE-12 • ₹ 7.00

BHUBANESWAR

• ବର୍ଷ-୪୩ • ସଂଖ୍ୟା-୩୦୮ • ଗୁରୁବାର • ୦୭ ମେ ୨୦୨୬ • ପୃଷ୍ଠା-୧୨ • ଟ.୭.୦୦

Admissions open for CHSE, CBSE (XI), NEET & JEE -2026-27



TETRAHEDRON ACADEMY PRIVATE LIMITED

Tangi, Cuttack-754022

Mentor
Mr. Tridib Behera
(Trideb Sir)
CHAT WITH US : 7008222977

We expect 150 MBBS Admissions in 2026
We expect 100 students to score more than 600 in NEET 2026

 SUVAM BEHERA BALESWAR M. : 9123066603	 DIBYARANJAN SAMAL JAJPUR M. : 9692036713	 BIKSHWABID NAYAK JAJPUR M. : 9558959878	 SUSHREE PRIYANKA DHENKANAL M. : 9777153555	 JYOTI PRAKASH GIRI BALESWAR M. : 904002674	 SAI PRAKASH BASTIA JAGATSINGHPUR M. : 9777090684	 SANDEEP KU. ROUT KEONJHAR M. : 7749823914	 ADYASHA MOHAPATRA CUTTACK M. : 8249136458	 AYUSH DASH CUTTACK M. : 9439440407	 SIBA SANKAR PATRA BALESWAR M. : 6371756580	 MADHUSMITA PANIGRAHI MAYURBHANJ M. : 9439845940	 BISWARUPA ACHARYA KENDRAPARA M. : 6371780995	 SMRUTI RANJAN SWAIN JAJPUR M. : 8018868766	 ABINASH SAMANTARAY JAGATSINGHPUR M. : 9853385091	 BIKASH BARIK PURI M. : 9439254073
 SUBHANKAR DAS BALESWAR M. : 9040099768	 RAJESH PRADHAN BALESWAR M. : 8457895059	 DEBENDRA JENA CUTTACK M. : 9938981959	 DEBAPRASAD DAS BALESWAR M. : 9040165239	 DIBYAJYOTI NAYAK CUTTACK M. : 9778171571	 SUBHASHREE BHUYAN CUTTACK M. : 9937339439	 RAMAKRUSHNA BISWAL ANGUL M. : 7684000422	 MANORANJAN BARIK KENDRAPARA M. : 9556233735	 RIDHIRANI PANDA ANGUL M. : 7008146953	 PRIYANSU PRITAM SWAIN JAJPUR M. : 7008399671	 SUBHASHREE P. SAHU ANGUL M. : 9937018265	 ADARSHA AMLAN CUTTACK M. : 9861012314	 NIHAR RANJAN SAHOO JAJPUR M. : 9937514307	 BINODINI MOHAPATRA JAGATSINGHPUR M. : 9438279824	

FRESHER STUDENTS ADMITTED TO MBBS

 SATYAJEET SWAIN M. : 9439830875 JMCH, PURI (2024)	 ABINASH SAHOO M. : 9692121982 PRM, BARIPADA(2024)	 DIPTIMAYEE (SC) M. : 8249355019 GMC, SUNDARGARH(2024)	 SWASTIK (SC) M. : 9777071130 DDMC, KEONJHAR(2024)	 SATYAJIT (SC) M. : 6370706476 PRM, BARIPADA(2024)
 ABDUL MATIN KHAN M. : 7325903584 MKCG, BERHAMPUR(2023)	 JUNASU PARIDA Mob. : 9938736055 FMMCH, BALASORE(2023)	 PRADIP DAS(SC) M. : 6370349510 MKCG, BERHAMPUR(2023)	 RAJESH M. : 6370895135 RIMS, RANCHI(2025)	 SUBHANKAR M. : 9310679902 SUMCH, PURI(2025)
 PRIYANSHI M. : 7735776269 FM, BALASORE(2025)	 SUBHAM M. : 9937533036 PRM, BARIPADA(2025)	 LOKANATH M. : 8084711270 PRM, BARIPADA(2025)	 SWARNAPRAVA M. : 9348538749 PRM, BARIPADA(2025)	 ARPIT MAYURBHANJ M. : 806949749 PMP MCH, TALCHER(2025)

2025 : 127 MBBS ADMISSIONS

AIIMS 5 STUDENTS	SCB, CUTTACK 11 STUDENTS	MKCG, BERHAMPUR 17 STUDENTS	VIMSAR, BURLA 6 STUDENTS	PRM, BARIPADA 10 STUDENTS	FM, BALASORE 7 STUDENTS
2024 : 71 MBBS ADMISSIONS					
AIIMS 5 STUDENTS	SCB, CUTTACK 8 STUDENTS	MKCG, BERHAMPUR 9 STUDENTS	VIMSAR, BURLA 6 STUDENTS		
2023 : 54 MBBS ADMISSIONS					
AIIMS 2 STUDENTS	SCB, CUTTACK 9 STUDENTS	MKCG, BERHAMPUR 13 STUDENTS	VIMSAR, BURLA 5 STUDENTS		

OUR INCREDIBLE ACHIEVERS IN AIIMS

 SUSHREE SANGITA SAHOO M. : 9819979791 AIIMS DELHI(2023)	 KAMALAKANTA M. : 8249906661 AIIMS DELHI(2023)	 RAHUL M. : 6372741832 AIIMS RAIPUR(2023)
 OMM PRAKASH M. : 6372521307 AIIMS COHARAPUR(2024)	 SWAGATIKA M. : 7381845430 AIIMS COHARAPUR(2024)	 DEVASIS SAHOO M. : 9861482793 AIIMS BBSR(2021)
 ASHIRBAD BISWAL M. : 9466214173 AIIMS COHARAPUR(2024)	 ANUPAM NAYAK M. : 993759502 AIIMS KALYANI(2023)	 ADITYA NARAYAN M. : 8260333635 AIIMS MADURAI(2024)
 SATYAJIT NAYAK M. : 806910336 AIIMS RAIPUR(2023)	 SOURAV RANJAN M. : 931135920 AIIMS KALYANI(2025)	 AMIT ANSUMAN M. : 820552053 AIIMS KALYANI(2025)
 G.S. TANISHA M. : 837202329 AIIMS KALYANI(2025)	 SOUVRA RANJAN M. : 8934901911 AIIMS DEOGHAR(2025)	 ASHUTOSH (SC) M. : 943919192 AIIMS BBSR(2023)

JEE (MAIN & ADVANCE) RESULTS

 TARINI IIT VARANASI M. : 9827400190	 SAMIR NIT ROURKELA M. : 9437926225	 SAILENDRI NIT ROURKELA M. : 9938484890	 BISMAY BIBHOR IIT PATNA M. : 7077212667	 TAPAS IIT KHARGPUR M. : 8093064525	 ADITYA IIT DELHI M. : 8060949749	 JANMEJAYA IIT MADRAS M. : 8249878451
 GOUTAM IIT PATNA M. : 6372019170	 PRIYANSHU IIT BBSR M. : 9090513914	 AMAN NIT ROURKELA M. : 6371238431	 SRIMAN NIT ROURKELA M. : 7894053139	 SANTOSH NIT ROURKELA M. : 9777080531	 OMM PRAKASH NIT ROURKELA M. : 9937398951	 TRUPTI NIT ROURKELA M. : 70084 32499

JEE RESULTS -2026

 DIBYA RANJAN SAMAL	 RAJESH KU. PRADHAN	 ADITYA MOHARANA	 CHINMAYA MOHANTY	 PRINCE ZENITH SAHOO
 SUBHANKAR DAS	 ADITYA MOHANTY	 SUVAM BEHERA	 SATYAJIT SAHOO	 ANURAG DEY
 SANTOSH MAHARANA	 AMIYADEEP PATRA	 MAHAPRASAD SENAPATI	 SOMEN MOHAPATRA	 DIBYAJYOTI SWAIN

OUR CHSE RESULTS - 2025

 ABINASH PANDA R. NO. : 312C2142 MOB. : 8926374475	 ANANYA ANUPRITA R.NO. : 321C2001 M. : 6372522094				
 ANUNJAYA R.NO. : 312C2044 M. : 9637020270	 HARAPRASAD R.NO. : 312C2052 M. : 8776365009	 ANANYA R.NO. : 321C2018 M. : 8179505099	 PRIYADARSHINI R.NO. : 321C2020 M. : 8480101992	 RUTUPARNA R.NO. : 321C2025 M. : 8980003037	 ASHUTOSH R.NO. : 312C2009 M. : 789718010
 SWARNA PRAVA R.NO. : 312C2082 M. : 9449538749	 SOUMYAK R.NO. : 319B2015 M. : 6372989252	 SANDEEP R.NO. : 319B2001 M. : 9438775289	 SAI ARPIT R.NO. : 319B2118 M. : 8917543238	 PRIYANKA R.NO. : 321C2016 M. : 8328857059	 SWAYAM R.NO. : 312C2038 M. : 993496922

ONE YEAR NEET COURSE STARTS ON 18TH MAY, 01ST JUNE, 21ST JUNE

The NEET Qualifying Test will be held on 10TH, 17TH, 24TH, 31ST MAY & 8TH JUNE 2026
The Exam will be conducted from 1:00 p.m. to 4:00 p.m. (Reporting Time : 12:00 noon)

Visit our Website : NEET : www.tetrahedroncoaching.com

Name of the Exam Centre :

TETRAHEDRON OLD CAMPUS, TANGI, CUTTACK
MOB. : 8093064525, 8093064500, 8093064522

TETRAHEDRON COACHING, ARUNODAYA NAGAR, CUTTACK
MOB. : 8093064572, 8093064508

100% RESULT

Above 95% 14 STUDENTS	Above 51 51 STUDENTS	Above 90% 199 STUDENTS	Above 89% 236 STUDENTS	Above 88% 285 STUDENTS
Above 500 536 STUDENTS	Above 80% 714 STUDENTS	Above 75% 902 STUDENTS	Above 70% 1023 STUDENTS	Above 60% 1120 STUDENTS

WE FOCUS ON CONCEPTS, NOT ON SYLLABUS COMPLETION ONLY

- We turn average students into toppers.
- We build strong foundation for NEET & JEE
- We teach our Students from the concept level to higher level.
- Maximum problem solving approach on each subject in the class room.
- Doubt clearing classes by expert faculties from 3p.m. to 9p.m.
- 100% monitoring on Self Study of students.

TETRAHEDRON HIGHER SECONDARY SCHOOL
TETRAHEDRON WOMEN'S HIGHER SECONDARY SCHOOL
TETRAHEDRON RESIDENTIAL COACHING FOR NEET, JEE & CBSE (XI)

Tetrahedron Tangi : 8093064522, 8093064525, 7008222977 Tetrahedrongroup



ଭୁବନେଶ୍ୱର

ସ୍ୱଚ୍ଛ

କାଳ ସାଜିଲା କାଳନିଦ୍ରା

ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ଲିଭିଗଲା ୩ ଜୀବନ ଦୀପ



ଅଶ୍ରୁକେ ବର୍ତ୍ତିଗଲେ ୭ ବର୍ଷୀୟ ରାତ୍ନୁ

ବିଶ୍ୱନାଥ ବେହେରାଙ୍କ ପୁଅ ରମେଶଙ୍କର ଝିଅ ଚେକସିନା ଚତୁର୍ଥ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଥିଲେ। ସେହିପରି ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ଝିଅ ପ୍ରତିମାଙ୍କର ଝିଅ ରାତ୍ନୁ ଦ୍ୱିତୀୟ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଛନ୍ତି। ଖରାକୁଟି ପାଇଁ ସ୍କୁଲ ବନ୍ଦ ଥିବାରୁ ଚେକସିନା ଓ ରାତ୍ନୁ ୪ ଦିନ ପୂର୍ବେ ବାସନ୍ତା ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ପାଖକୁ ବୁଲିବାକୁ ଆସିଥିଲେ। ମଙ୍ଗଳବାର ପୂର୍ବାହ୍ନରେ ରାତ୍ନୁ ତା'ର ମାଆ ପ୍ରତିମାଙ୍କୁ ଫୋନ୍ କରି ଭଲ ଲାଗୁନାହିଁ ବୋଲି କହିବା ସହ ଘରକୁ ଯିବାକୁ ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ଗତକାଲି ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ପ୍ରତିମା ଆସି ରାତ୍ନୁକୁ ଘରକୁ ନେଇ ଯାଇଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଚେକସିନା ଜେଜେ ଓ ଜେଜେମାଙ୍କ ପାଖରେ ରହିଥିଲା। ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଘଟି ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ସୁଲଭାଙ୍କ ସହ ଚେକସିନା ମଧ୍ୟ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିଲା।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ବାସନ୍ତା ଲିଙ୍ଗା ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଗୋଟିଏ ପରିବାରକୁ ଛାରଖାର କରିଦେଇଛି। ଏହି ଘଟଣା ଯେତିକି ହୃଦୟ ବିଦାୟକ, ସେତିକି ସମ୍ବେଦନଶୀଳ। ବୃଦ୍ଧା ଜେଜେମା

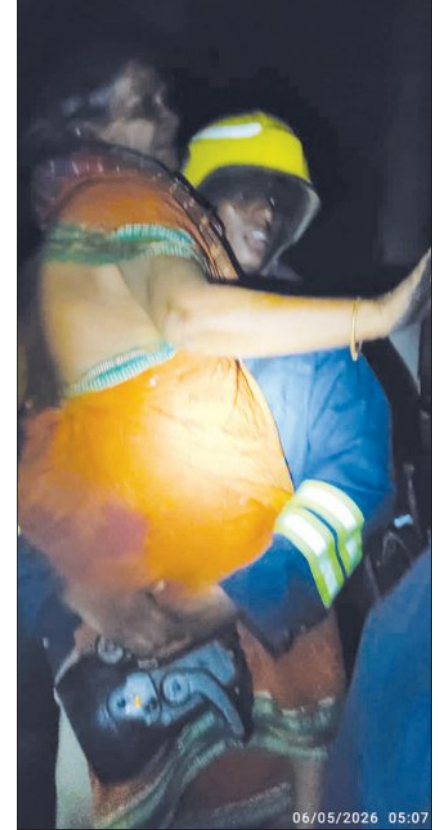
ଓ ଜେଜେମା ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ବେଳେ ଖରାକୁଟି କାଟିବାକୁ ଆସିଥିବା ୧୦ ବର୍ଷୀୟ ନାତୁଣୀ ଚେକସିନା ମଧ୍ୟ ଏଥିରୁ ବାଦ୍ ପଡ଼ିନାହିଁ। ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକାଲ ପ୍ୟାନେଲ ଘାଟଣାରୁ ବାହାରିଥିବା ନିଆଁ ଚତୁର୍ଥ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଥିବା ଚେକସିନାଙ୍କ ସମ୍ବନ୍ଧୁ ମାଟିରେ ମିଶାଇ ଦେଇଛି। ଝିଅକୁ ହରାଇ ବାପାମାଆ

କାନ୍ଦୁଥିବା ବେଳେ ଗାଁ ଶୁଖାନରେ ଗୋଟିଏ ପରିବାରର ୩ ସଦସ୍ୟଙ୍କ ଜୁଇ ଜଳିଛି। ଜେଜେ ବିଶ୍ୱନାଥ, ଜେଜେମା ସୁଲଭା ଓ ନାତୁଣୀ ଚେକସିନା ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଛନ୍ତି। ଏକଲି ଅଭାବନାୟ ଘଟଣାରେ ୩ ଜଣଙ୍କୁ ହରାଇବା ପରେ ଷଡ଼େଇଗଡ଼ ଗାଁ ଲୁହରେ ଭିଜିଛି।

ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଅଭାବରୁ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ



ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡରେ ୩ଟି ମୂଲ୍ୟବାନ ଜୀବନ ଯିବାପରେ ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର ଅଗ୍ନି ନିରାପତ୍ତା ବ୍ୟବସ୍ଥା ନଥିବା ବେଳେ କୌଣସି ଉପକରଣ ମଧ୍ୟ ନଜରକୁ ଆସିନଥିଲା। ଉତ୍ତରଲୋଡ଼ି ଓ ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଅଭାବରୁ ସର୍ବସମ୍ପତ୍ତି ହୋଇଗଲେ କ୍ଲୋଜିଂ ନିଆଁ ବ୍ୟାପି ଗୋଟିଏ ପରିବାରକୁ ଛାରଖାର କରି ଦେଇଥିଲା। ରାଜଧାନୀରେ ବିଭିନ୍ନ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ବାରମ୍ବାର ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଘଟୁଛି, କେଉଁଠି ଧନସମ୍ପତ୍ତି ନଷ୍ଟ ହେଉଛି ତ ଆଉ କେଉଁଠି ଜୀବନ ଯାଉଛି। ଏତେସବୁ ସତ୍ୟରେ ମଧ୍ୟ ଅଗ୍ନିଶମ ବିଭାଗ କେବଳ ତଦନ୍ତରେ ଅଟକି ଯାଉଥିବା ବେଳେ ଲୋକଙ୍କ ଭିତରେ ମଧ୍ୟ ଚେତା ପଶୁନାହିଁ।



ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକାଲ ପ୍ୟାନେଲ ବୋର୍ଡ଼ ଘାଟଣା ସେବାରେ ସିଲି (ଅର୍ମିକ୍ଲ)ରେ ନିଆଁ ଲାଗି ଯାଇଥିଲା। ସେହି ନିଆଁ ଧୀରେ ଧୀରେ ଯାଇ ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ସୁଆର ମୁହଁରେ ପଡ଼ିଥିଲା। କବାଟ ବାହାରେ ଥିବା ସାଜକେଳ,



ମରିଗଲା କି ମଣିଷପଣିଆ

ତା'ର ଚାନ୍ଦର ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ଜଳି ଯାଇଥିଲା। ଘର ଭିତରକୁ ଧୁଆଁ ପଶି ଅଣନିଶ୍ୱାସ କରିଦେବା ସହ ଚାପମାତ୍ରା ବଢ଼ି ଯାଇଥିଲା। ଶୋଇଥିବା ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ତାଙ୍କ ପତ୍ନୀ ସୁଲଭା ହଠାତ୍ ଉଠି ଯାଇଥିଲେ। ନିଜେ ବଞ୍ଚିବା ସହ ନାତୁଣୀ ଚେକସିନାକୁ ବଞ୍ଚାଇବାକୁ ପ୍ରାଣପଣେ ଚେଷ୍ଟା କରିଥିଲେ। ଜେଜେ, ଜେଜେମା ଓ ନାତୁଣୀ ଘରୁ ବାହାରିବା ବେଳକୁ ସୁଆର ମୁହଁରେ ନିଆଁ ହାତୁଡ଼ରେ ପଡ଼ିଥିଲେ। ନିଆଁ ଲାଗି ତାଙ୍କ ଶରୀରର ବିଭିନ୍ନ ଅଂଶ ପୋଡ଼ି ଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେମାନେ ହାତ୍ ମାନି ନ ଥିଲେ। ନିଜେ ସୁରକ୍ଷିତ ରହିବା ସହ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟ ବାସୀଙ୍କୁ ବଡ଼ ବିପତ୍ତିରୁ ରକ୍ଷା କରିବାକୁ ୩ ଜଣ ଯାଇ ଉପର ମହଲାକୁ ଚଢ଼ି ଯାଇଥିଲେ। ସୁଲଭା ପାହାଚରେ

ପଡ଼ି ଯାଇଥିବା ବେଳେ ଜେଜେ ଓ ନାତୁଣୀ ଜଣଙ୍କ ସୁଆର ଆଗକୁ ଯାଇ କବାଟ ବାଟେଇ ଥିଲେ। ଜୀବନ ବଞ୍ଚାଇବାକୁ ଅନେକ ସମୟ ଧରି କବାଟ ବାଟେଇବା ପରେ ବିଶ୍ୱନାଥ ଅଚେତ ହୋଇପଡ଼ିଥିଲେ। ଏହାପରେ ୧୦ ବର୍ଷୀୟ ନାତୁଣୀ ଚେକସିନା ଅର୍ଦ୍ଧବସ୍ତ୍ର ଅବସ୍ଥାରେ ଚିତ୍କାର କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ କେହି ଶୁଣିନଥିଲେ। ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ପହଞ୍ଚିବା ବେଳକୁ ସୁଲଭା ପାହାଚରେ ଚଳି ପଡ଼ିଥିବା ବେଳେ ବିଶ୍ୱନାଥ କବାଟ ମୁହଁରେ ପଡ଼ିଥିବା ଦେଖିବାକୁ ପାଇଥିଲେ। କାନ୍ଦୁଥିବା ନାତୁଣୀ ସହିତ ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ପତ୍ନୀ ସୁଲଭାଙ୍କୁ ଡାକରଖାନା ପଠାଇଥିଲେ। ହେଲେ ସେମାନଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର କୌଣସି ବାସିନ୍ଦା ଡାକରଖାନାକୁ ଯାଇନଥିଲେ।

ଦୋକାନ ଘରଭଙ୍ଗାକୁ କେନ୍ଦ୍ରକରି ତୁମ୍ବୁଳକାଣ୍ଡ

ମାଲିକଙ୍କ ପୁଅକୁ ଗୋଡ଼େଇ ଆକ୍ରମଣ

ଧଉଳି, ୬୫ (ସମିତ): ଦୋକାନ ଘର ଭଙ୍ଗାକୁ କେନ୍ଦ୍ର କରି ଧଉଳି ଥାନା ଉତ୍ତରା ଛକରେ ମାଲିକଙ୍କ ପୁଅକୁ ବିଚାରାଳୟ ଗୋଡ଼ାଲ ଗୋଡ଼ାଲ ଆକ୍ରମଣ କରିଛନ୍ତି ବୁଦ୍ଧି। ଖବରନେତାରେ ଜଣାପଡ଼ିଛି କୁଣ୍ଡପତା ଗ୍ରାମର କୃଷ୍ଣ ଚନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଉତ୍ତରାରେ ଥିବା ନିଜ ଦୋକାନକୁ ୨୦୦୯ ରୁ ପିପିଲି ଥାନା ପୁଲପାଳ ଗ୍ରାମର ଗୌତମ ପ୍ରଧାନ ଓଡ଼େ ବନା (ବର୍ତ୍ତମାନ ଉତ୍ତରାରେ ଘର କରି ରହିଛନ୍ତି) କୁ ଭଡା ସୂତ୍ରରେ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଦୋକାନ ଭଡା ନିମନ୍ତେ ମାଲିକ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ଏବଂ ବନାଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏକ ଚୁକ୍ତି ହୋଇଥିଲା। ବନା ସେଠାରେ ମିଠା ଓ ଜଳଖିଆ ଦୋକାନ କରିଥିଲେ। ମାତ୍ର ଗତ ୩୯ ଜାନୁଆରୀ ୨୦୨୨ ମସିହା ତାଙ୍କର ଚୁକ୍ତି ଶେଷ ହୋଇଥିଲା। ଚୁକ୍ତିନାମାର ଅବଧି ସରିଥିବାରୁ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ଦୋକାନ ଘର ଛାଡ଼ିବାକୁ ବନାଙ୍କୁ କହିଥିଲେ। ମାତ୍ର ବନା ବିନା ଗଡ଼ୁଥିଲେ। ଫଳରେ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ଧଉଳି ଥାନାରେ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଅଭିଯୋଗ ପାଇ ପୁଲିସ୍ ତଦନ୍ତ କରିଥିବା ବେଳେ ବନାଙ୍କୁ ଆନାକୁ ଡାକିଥିଲେ। ସେଠାରେ ଉଭୟଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆପୋଷ ସମାଧାନ ହୋଇଥିଲା। ମାତ୍ର ଦୋକାନ ଘର ଛାଡ଼ିନଥିଲେ। ଏମିତି ଦିନ ପରେ ଦିନ ଗତାଇ ଗତାଇ ୪ ବର୍ଷ ବିତି ଯାଇଥିଲା। ମାତ୍ର ବନା ଦୋକାନ ଛାଡ଼ି ନଥିଲେ। ଏକଲି ବାରମ୍ବାର ଥାନାରେ ଅଭିଯୋଗ ହୁଏ। ପୁଣି ଆପୋଷ ସମାଧାନ ହୋଇଥିଲା। ଶେଷରେ ଚଳିତ ବର୍ଷ ଜାନୁଆରୀ ମାସରେ ଛାଡ଼ି ବୋଲି ଥାନା ପୁଲିସ୍‌ରେ ଉପସ୍ଥିତ କହିଥିଲା। ମାତ୍ର ଏହି ସମୟରେ ମଧ୍ୟ ଘର ଛାଡ଼ି ନଥିଲା। ଫଳରେ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ପୁନର୍ବାର ପେଟୁଆରୀ ମାସରେ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଅଭିଯୋଗ ପାଇ ପୁଲିସ୍ ବନାଙ୍କୁ ପୁଣି ଡାକିଥିଲେ। ବନା ସେଇ ପୁରୁଣା କଥା ଆଉ ୨ ମାସ ପରେ ଅର୍ଥାତ୍ ଏପ୍ରିଲ ୬ ତାରିଖରେ ଦୋକାନ ଘର ଛାଡ଼ିଦେ। ମାତ୍ର ଏଥିରେ ମଧ୍ୟ ବନା ବ୍ୟତିକ୍ରମ ଦେଖାଇଥିଲେ। ଫଳରେ ବୁଧବାର ସନ୍ଧ୍ୟାରେ କୃଷ୍ଣ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କ ପୁଅ ଦେବାଶିଷ୍ଟ ଓଡ଼େ ବାପୁନି ଏହି ଘଟଣାକୁ ନେଇ ବନାଙ୍କୁ କହିଥିଲେ। ଏଥିରେ ଉତ୍ତରା ଘର ବନା ଓ ତାଙ୍କ ଭାଇ ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର ଓଡ଼େ ଅନା ଏବଂ କିଛି ଭଡାରିଆ ଗୁଣ୍ଡା ତାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। ବାହେର ବଳ ବ୍ୟାପ୍ତ ଏବଂ ଖଣ୍ଡରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। ଫଳରେ ତାଙ୍କ ମୁଣ୍ଡରେ ଗଭୀର ଆଘାତ ଲାଗିଥିଲା। ରକ୍ତ କୁହୁକୁହୁ ଅବସ୍ଥାରେ ରାସ୍ତାରେ ପଡ଼ିଥିବା ବେଳେ ପରିବାର ଲୋକେ ତୁରନ୍ତ ଚିକିତ୍ସା ନିମନ୍ତେ ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଥମେ ବାଳକାଟି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରରେ ଭର୍ତ୍ତି କରିଥିଲେ। ସେଠାରେ ତାଙ୍କର ଅବସ୍ଥା ସଙ୍କଟାପର୍ଣ୍ଣ ହେବାରୁ ରାଜଧାନୀ ଓ ପରେ ଏକ ଘରୋଇ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତରିତ କରିଥିଲେ। ପୁଲିସ୍ ଅଭିଯୋଗ ପାଇ ବନାଙ୍କୁ ଅଟକ ରଖି ପଚରାଉଚରା କରିଥିବା ବେଳେ ଅନ୍ୟମାନେ ଫେରାର ହୋଇଛନ୍ତି।

ଗାଈ ପାଣି ପିଇବାକୁ କେନ୍ଦ୍ରକରି ମହିଳାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ଗାଈ ପାଣି ପିଇବାକୁ ନେଇ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ବିବାଦକୁ ମହିଳାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ ହୋଇଛି। ବୁଦ୍ଧିଗଡ଼ରେ ଘଟିଥିବା ଏହି ଘଟଣାରେ ଜଣଙ୍କୁ ଗିରଫ କରିଛି ଚନ୍ଦ୍ରା ଥାନା ପୁଲିସ୍। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତ ହେଉଛି ବାଘରାଜ ସୋରେନ (୬୪)। ପୁଲିସ୍ ସୂଚନାମୁତାବେ, ବାସନ୍ତା ସୋରେନ ଓ ବାଘରାଜ ଗୋଟିଏ ଗାଁର ବସିନ୍ଦା। ବୁଧବାର ସକାଳ ସମୟରେ ବାଘରାଜ ଗାଈ ଚୋରାଇବା ପାଇଁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ କିଛି ଗାଈ ବାସନ୍ତାଙ୍କ ଘର ପରିସରରେ ପଶି ଏକ ପାତ୍ରରେ ଥିବା ପାଣି ପିଇ ଦେଇଥିଲେ। ଏନେଇ ବାସନ୍ତା ପଚାରିବାରୁ, ବାଘରାଜ ତାଙ୍କୁ ଗାଳିଗୁଲଜ କରିବା

ସହ କାଠ ପାଲିଆରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲା। ଫଳରେ ତାଙ୍କ ମୁଣ୍ଡ ଓ ମୁହଁରେ ଗୁରୁତର ଆଘାତ ଲାଗି ପ୍ରକାଶ ରକ୍ତସ୍ରାବ ହୋଇଥିଲା। ବାସନ୍ତାଙ୍କ ସାମା ହସ୍ତକ୍ଷେପ କରିବାକୁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ବାଘରାଜ ତାଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। ପାଟିତୁଣ୍ଡ ଶୁଣି ଗ୍ରାମବାସୀମାନେ ଘଟଣାସ୍ଥଳକୁ ଆସିବାକୁ ଅଭିଯୁକ୍ତ ସେଠାକୁ ପକାଇଦାଉଥିଲେ। ବାସନ୍ତାଙ୍କୁ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ କଟକ ବଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରାଯାଇଥିଲା। ଷୋକମା ସୋରେନ ଏନେଇ ଚନ୍ଦ୍ରା ଥାନାରେ ଏତଲା ଦେବାପରେ ପୁଲିସ୍ ମାମଲା ରୁକ୍ତ କରିଥିଲା। ବାଘରାଜକୁ ଗିରଫ କରିବା ସହ କାଠ ପାଲିଆ ଜବତ କରିଥିଲା।

ପୁଖ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ ଅଧିକାରୀଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ କଲେ ଆଇଏସ୍ ପୁଣିଆଁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ୨୦୨୫ ବ୍ୟାଚ୍ ଓଡ଼ିଶା କ୍ୟାଡ଼ର ଭାରତୀୟ ପ୍ରଶାସନିକ ସେବା (ଆଇଏସ୍) ପୁଣିଆଁମାନେ ଆଜି ଭୁବନେଶ୍ୱରସ୍ଥିତ ପୁଖ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ ଅଧିକାରୀଙ୍କ (ସିଇଓ) କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟ ପୁଖ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ ଅଧିକାରୀ ଆର୍.ଏସ୍. ଗୋପାଳନ ସମସ୍ତ ପୁଣିଆଁଙ୍କୁ ସାଗତ କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ସେ ନିର୍ବାଚନ ପାଇଁ କରାଯାଉଥିବା ରଣନୀତି, ଭୋଟର ତାଲିକା ପଞ୍ଜିକରଣ ପ୍ରକ୍ରିୟା, ଇଭିଏନ୍ ଓ ଭିଭିଏଟ୍ ପରିଚାଳନା ଏବଂ କିଲି ଅବଧି ଓ ନିରପେକ୍ଷ ନିର୍ବାଚନ ପରିଚାଳନା ଆଦି ବିଷୟରେ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କୁ ଅବଗତ କରାଇଥିଲେ। ଏହି ବୈଠକରେ ଅତିରିକ୍ତ ସିଇଓ ସୁଶୀଳା କୁମାର ମିଶ୍ର, ସୁଧୁ ସିଂହ ଓ ଗୋପାଳନ କୁମ୍ଭିର, ବିର ପରାମର୍ଶଦାତା ସଞ୍ଜୟ କୁମାର ଲୁଗୁନ, ଡେପୁଟି ସିଇଓ କୁମ୍ଭାପ୍ରସାଦ ସାହୁ, ଡେପୁଟି ସିଇଓ ଅନାମିକା ଦି' ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

୧୪ ବର୍ଷରେ ଆସିଲା ଯୌତୁକ ମୃତ୍ୟୁ ମାମଲା

ଆତ୍ମହତ୍ୟା ପାଇଁ ପ୍ରବର୍ତ୍ତାଇଥିବା ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ୧୦ ବର୍ଷ ଜେଲ୍

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ନିଜକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରୁଥିଲେ। ହେଲେ ପୂର୍ବରୁ ଶୁଣି ଘର ଲୋକ ଓ ସ୍ୱାମୀ ଦିଲ୍ଲୀପ ଯୌତୁକ ଦେଇଥିବା ଗୌରାଙ୍ଗ ମହିଳା ଆନାରେ କରି ନିର୍ଯ୍ୟତ ଭାବେ ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍କୁ ଶାରୀରିକ

- ୪୦ ହଜାର ଜରିମାନା ଆଦେଶ
- ଓଡ଼େଏସ୍ ପରାମ୍ପା ପୂର୍ବରୁ ଆତ୍ମହତ୍ୟା କରିଥିଲେ ମହିଳା

ଓ ମାନସିକ ନିର୍ଯ୍ୟତା ଦେଇ ଆସୁଥିଲେ। ୨୦୧୨ ମସିହା ଜୁନ୍ ୫ ତାରିଖରେ ପୂର୍ଣ୍ଣା ଓଡ଼େଏସ୍ ପରାମ୍ପା ଦେବାର ଥିଲା। ହେଲେ ଠିକ୍ ଏହାର ଦିନକୁ ପୂର୍ବରୁ ଅର୍ଥାତ୍ ଜୁନ୍ ୪ ତାରିଖ ଭୋରକୁ ପୂର୍ଣ୍ଣା ବେକରେ ରଖି ଝିଅ ଥିବାବେଳେ ବ୍ରହ୍ମମେଶ୍ୱରପାଟଣାରେ ଥିବା ଶୁଣି ଘରରେ ରହି ଆତ୍ମହତ୍ୟା କରିଥିବା ପ୍ରମାଣ ଦେବାପାଇଁ ଘରୁ ଛାଡ଼ି ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଲ' ପରେ ଓଡ଼େଏସ୍ ପରାମ୍ପା ଦେବାପାଇଁ

ନିଜକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରୁଥିଲେ। ହେଲେ ପୂର୍ବରୁ ଶୁଣି ଘର ଲୋକ ଓ ସ୍ୱାମୀ ଦିଲ୍ଲୀପ ଯୌତୁକ ଦେଇଥିବା ଗୌରାଙ୍ଗ ମହିଳା ଆନାରେ କରି ନିର୍ଯ୍ୟତ ଭାବେ ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍କୁ ଶାରୀରିକ ଆଧାରରେ ମହିଳା ଆନା ପୁଲିସ୍ କେସ୍ ନଂ- ୨୫୦/୧୨ ରେ ଦଫା ୪୯୮-ଏ, ୩୦୪-ବି, ୩୦୨, ୩୦୪ ଆଇପିସି ଓ ଯୌତୁକ ନିରୋଧ ଆଇନ ଧାରା ୪ ଆକ୍ଟରେ ମାମଲା ରୁକ୍ତ କରିଥିଲା। ତତ୍କାଳୀନ ସର୍ବ ଉଚ୍ଚତମାଞ୍ଚଳ ତଥା ବର୍ତ୍ତମାନର ସୋନପୁର ଏସଡିପିଓ କଲ୍ୟାଣୀ ବେହେରା ଘଟଣାର ତଦନ୍ତ କରି ସ୍ୱାମୀ ଦିଲ୍ଲୀପକୁ ଗିରଫ କରିବା ସହ ପରିବାର ବିରୋଧରେ ଚାର୍ଜସିଟ୍ ଦାଖଲ କରିଥିଲେ। ଅଦାଲତ ଘଟଣା ସହିତ ସଂପୃକ୍ତ ୧୮ ଜଣ ସାକ୍ଷୀଙ୍କ ଜମାବନ୍ଦୀ ଓ ୧୧ଟି ଦସ୍ତାବିଜ ଆଧାରରେ ମାମଲାର ବିଚାରକରି

ଜମିଦିକୁ ଆଳରେ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଠକେଇ, ଜଣେ ଗିରଫ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ଜମି ଦିକୁ ଆଳରେ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଠକି ନେଇଥିବା ଅଭିଯୋଗରେ ଜଣଙ୍କୁ ଗିରଫ କରିଛି ଚନ୍ଦ୍ରା ଥାନା ପୁଲିସ୍। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତ ହେଉଛି ବିଦ୍ୱାନାସା ଥାନା ମଧ୍ୟସୂଦନ ନଗରର ବିକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ପଣ୍ଡା (୫୬)।



ପୁଲିସ୍ ସୂଚନାମୁତାବେ, ସେଲିଆ ବାଗ୍ ମଧ୍ୟସ୍ଥି ଆଲୋକ ବିଶିଷ୍ଟ ଓ କାପାଳୀ ଶ୍ରୀଚନ୍ଦ୍ର ସହ କଥାବାର୍ତ୍ତା ହେବାପରେ ମଳିପତ୍ତାରେ ଥିବା ଏକ ଜମି କିଣିବା ପାଇଁ ଆଗ୍ରହ ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ଉକ୍ତ ଜମିଟି କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲାର ପ୍ରମିଳା ପାଣିଗ୍ରାହୀଙ୍କ ମାଲିକାନାରେ ଥିବା ମଧ୍ୟସ୍ଥିମାନେ ଦର୍ଶାଇଥିଲେ। ଆଲୋଚନା ସମୟରେ ବିକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ପଣ୍ଡା ନାମକ ନିଜକୁ ଜମି ମାଲିକଙ୍କ ଭାବେ ବୋଲି ପରିଚୟ ଦେଇ ଜମି ସମ୍ପ୍ରଦାନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଜେରକ୍ କପି ଦେଖାଇ ବିଶ୍ୱାସ ସୃଷ୍ଟି କରିଥିଲେ। ସେଲିଆ ସେମାନଙ୍କ କଥାକୁ ବିଶ୍ୱାସ କରି ଆଗକୁ ବଢ଼ିବା ପରେ କୋଟିଏ ୨୬ ଲକ୍ଷ ୯୩ ହଜାର ଟଙ୍କା ଧାର୍ଯ୍ୟ ହେବା ସହ ଚୁକ୍ତିନାମା ହୋଇଥିଲା। ଚୁକ୍ତି ଅନୁଯାୟୀ, ସେଲିଆ ଗତ ଜାନୁଆରୀ ୨ ତାରିଖ ଦିନ ଅଗ୍ରାମ ବାବଦକୁ ଜମି ମାଲିକ ପ୍ରମିଳାଙ୍କ ଆକାଉଣ୍ଟକୁ ୧୦

ଲକ୍ଷ ଓ ତାଙ୍କ ଭାଇ ବୋଲି ପରିଚୟ ଦେଇଥିବା ବିକାଶ ଆକାଉଣ୍ଟକୁ ୧୫ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ପଠାଇଥିଲେ। ଅଗ୍ରାମ ଟଙ୍କା ନେବା ପରେ ଅଭିଯୁକ୍ତମାନେ ଚୁକ୍ତି ଅନୁଯାୟୀ କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟ କରିନଥିଲେ। ସେମାନେ ମୂଳ ଜମି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ଦେଇନଥିଲେ କି ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ସମୟ ମଧ୍ୟରେ ବିକ୍ରି ଦଲିଲ କରିବାକୁ କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ନେଇନଥିଲେ। ସେଲିଆ ବାରମ୍ବାର ଯୋଗାଯୋଗ କରିବାକୁ ବିକାଶ ତାଙ୍କୁ ଭୟଙ୍କର ପରିଶ୍ରମ ଦେବାକୁ ଧମକ ଦେଇଥିଲେ। ଅଭିଯୁକ୍ତମାନେ ମିଥ୍ୟା ବାହାନା ଦେଖାଇ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଠକି ନେଇଥିବା ସେ ଚନ୍ଦ୍ରା ଥାନାରେ ଲିଖିତ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ। ମଙ୍ଗଳବାର ବିକାଶକୁ ଗିରଫ କରିବା ସହ ପ୍ରାସଙ୍ଗିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଜବତ କରିଛି ପୁଲିସ୍।

ରାପିଡ଼ୋ ବନ୍ଦର ଉନ୍ନତ କାଣ୍ଡ ଯୁବତୀଙ୍କୁ ବୁଲିଲେ ଘରେ ପଶି ଖଣ୍ଡା ବୁଲାଇଲା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬୫ (ସମିତ): ରାପିଡ଼ୋ ବାଜକରେ ଯିବାଆସିବା ବେଳେ ପରିଚୟ ହେଲା। ଅଜଣା ପରିଚୟରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ସମ୍ପର୍କ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ପ୍ରେମର ରୂପ ନେଲା। ବିବାହ କରିବାକୁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇ ଶାରୀରିକ ସମ୍ପର୍କ ମଧ୍ୟ ଖଣ୍ଡିଲା। ହେଲେ ଅନ୍ତରଙ୍ଗ ମୁହୂର୍ତ୍ତର ପଟେ ରଖି ବୁଲିଲେ କଲ୍ୟାଣୀ। ଯୁବତୀ ଜଣକ ମୁହଁ ଫେରାଇ ନେବାକୁ ଘରେ ପଶି ଖଣ୍ଡା ବୁଲାଇଲା। ଏକଲି କାଣ୍ଡ ଲିଆଇଥିବା ରାପିଡ଼ୋ ବନ୍ଦର ଗିରଫ କରିଛି ସହିଦନଗର ଥାନା ପୁଲିସ୍। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତ ହେଉଛି, କଣ୍ଠାସ ବଜାରର ଅଭିଷେକ ଦାସ (୨୯)।

କରିବାର ଧମକ ଦେଇ ଲକ୍ଷାଧିକ ଟଙ୍କା ଦାବି କରିଥିଲା। ଯୁବତୀ ଜଣକ ଦୂରେଇବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରିବାରୁ ରାସ୍ତା ଘାଟେ ହଜରାଣା କରିଥିଲା। ଅଭିଷେକର ଏପରି କାରନାମାରେ ଅଭିଷେକ ହୋଇ ଯୁବତୀ ଜଣକ ମଞ୍ଜେଶ୍ୱର ଥାନାରେ ଏତଲା ଦେଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ଉଭୟଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆପୋଷ ବୁଝାମଣା ହେବା ସହ ଭବିଷ୍ୟତରେ କୌଣସି କାହାରି ଯୋଗାଯୋଗରେ ରହିବେ ନାହିଁ ବୋଲି ସ୍ଥିର ହୋଇଥିଲା। ହେଲେ ଅଭିଷେକ ପୁଣିଥରେ ଯୁବତୀଙ୍କୁ ହରାଣ କରିବା ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲା। ରାତିରେ ଘର ନିକଟକୁ ବିଦ୍ୟୁତ୍ ସଫାଯୋଗ ବିଚ୍ଛିନ୍ନ କରିବା ସହ ଘର ଉପରକୁ ଟେକାପଥର ମାଡ଼ କରିଥିଲା। ଏମିତିକି ସେ ଚାକିରି କରିଥିବା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଯାଇ ଗଣ୍ଠଗୋଳ କରିଥିଲା। ଗତକାଲି ରାତି ଅଧରେ ଅଭିଷେକ ଖଣ୍ଡା ଧରି ଯୁବତୀଙ୍କ ଘରକୁ ପଶି ଯୁବତୀ ଓ ତାଙ୍କ ଭଉଣୀ ହତ୍ୟା କରିବାକୁ ଧମକ ଦେଇଥିଲା। ଏଥିସହିତ ତାଙ୍କ ମୋବାଇଲକୁ ଚୋରି କରି ନେଇଥିଲା। ଏନେଇ ଯୁବତୀ ଜଣକ ସହିଦନଗର ଥାନାରେ ଏତଲା ଦେବାପରେ ପୁଲିସ୍ ମାମଲା ରୁକ୍ତ କରିଥିଲା। ବୁଧବାର ଅଭିଷେକକୁ ଗିରଫ କରିବା ସହ ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍ ଓ ଖଣ୍ଡା ଜବତ କରିଛି।

୪ କୋଟିରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଟଙ୍କାର ଗଞ୍ଜେଇ ଜବତ; ଦୁଇ ଗିରଫ

ବରଗଡ଼, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): କାଳୁ ଛାଲି ଭରି ଟ୍ରକରେ ଚାଲି ଶେରଖୁଳା ଗଞ୍ଜେଇ। ଏହାକୁ ଧରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛି ଝାରସୁନ୍ଦର ପୁଲିସ୍। ଛତିଶଗଡ଼ ସାମାଜିକ ପାଠଶାଳା ମିଳିତ ପୁଲିସ୍ ଦଳର ଉପସ୍ଥିତିରେ ଗଞ୍ଜେଇ ଜବତ ହୋଇଛି।

ବୋଲୋରୋ, କାର୍ ଓ ୨ ମୋବାଇଲ ଜବତ

ଏକ ସଫଳତାପୂର୍ଣ୍ଣ ଟ୍ରକ୍ ଅଟକ ରଖି ପୁଲିସ୍ ତଲାସ କରିଥିଲା। ପ୍ରଥମେ ଟ୍ରକ୍ କାଳୁ ଛାଲି ଭରି ଥିବା ବୋଲି ଦେଖାଯାଇଥିଲା, କିନ୍ତୁ ମାଲିକଙ୍କୁ ବିଶ୍ୱାସନୀୟତା ପୁରୋହିତକ ଭାବେ ଗିରଫ କରିବାପରେ ଗିରଫକାରୀ ଗଞ୍ଜେଇ ବସ୍ତା ଧରାପଡ଼ିଥିଲା। ମୋଟ ୬୭ଟି ମୋବାଇଲ୍ ୧୯ କିଣ୍ଟାଲ ୧୪ କେଜି ଗଞ୍ଜେଇ ପୁଲିସ୍ ଜବତ କରିଛି। ଏହି ଘଟଣାରେ ଦୁଇ ଜଣ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶର କାଳୁ (୩୦) ଓ ଝାରସୁନ୍ଦର ସମ୍ବଲପୁର ଜିଲ୍ଲାର ନାଏକ (୨୮)କୁ ଗିରଫ କରାଯାଇଛି। ଜବତ ଗଞ୍ଜେଇର ଆନୁମାନିକ ମୂଲ୍ୟ ୪ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ହେବ ବୋଲି



ବରଗଡ଼ ଏସ୍ପି ପ୍ରହଲ୍ଲାଦ ସହାୟ ମାନା ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। ପୁଲିସ୍ ସେମାନଙ୍କଠାରୁ କେଜି ଗଞ୍ଜେଇ ପୁଲିସ୍ ଜବତ କରିଛି। ଏହି ଘଟଣାରେ ଦୁଇ ଜଣ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶର କାଳୁ (୩୦) ଓ ଝାରସୁନ୍ଦର ସମ୍ବଲପୁର ଜିଲ୍ଲାର ନାଏକ (୨୮)କୁ ଗିରଫ କରାଯାଇଛି। ଜବତ ଗଞ୍ଜେଇର ଆନୁମାନିକ ମୂଲ୍ୟ ୪ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ହେବ ବୋଲି

ଭିଜିଲାନ୍ସ ଜାଲରେ ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀ

ବିଜେପୁର, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲା ଶିଳ୍ପକେନ୍ଦ୍ର କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଅଧୀନରେ ଡିଆରପି ଭାବରେ କାର୍ଯ୍ୟରେ କର୍ମଚାରୀ ରାକ୍ଷା ନେହେରୁ ଜଣେ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କଠାରୁ ୩୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ଲାଞ୍ଚ ନେହେରୁଙ୍କୁ ଦେଖିବାକୁ ହେଉଥିଲା। ଏହାପରେ ବିଜିଲାନ୍ସ ହାତରେ ଧରା ପଡ଼ିଛି। ଜଣେ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କୁ ୮ଲକ୍ଷ ୬୪ ହଜାର ଟଙ୍କା ରାଶିର ୩୫ ପ୍ରତିଶତ ସର୍ବସ୍ୱତ୍ୱ କରାଯାଇଥିବାକୁ ସେମାନେ ହଜାରଟଙ୍କା ଆକାରରେ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ନେହେରୁଙ୍କୁ ପୁରୀ ଯୋଜନା ମୁଦ୍ରାକ ଭିଜିଲାନ୍ସ ଛକ ରହି ଟାଙ୍କୁ କାନ୍ଦୁ କରିଥିଲା। ଏହାପରେ ବରଗଡ଼ ଦୁର୍ଗତି ନିବାରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଏହାପରେ ବିଜେପୁର ସ୍ଥିତ ଟାଙ୍କୁ ଘର ଓ ଗାଈସିଲେଟ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଭିଜିଲାନ୍ସ ଟିମ୍ ତତ୍କର କରିଥିଲା।



ପାଟପୁରରେ ଜଣ୍ଡିସ୍ ଆଡକ, ୨୦ରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଆକ୍ରାନ୍ତ

ଗ୍ରାମରେ ପହଞ୍ଚିଲା ଡାକ୍ତରୀ ଟିମ୍, ନମୁନା ସଂଗ୍ରହ

ମୋରଡ଼ା, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ମୋରଡ଼ା ବ୍ଲକ୍ ଅଧୀନ ଚିତ୍ରପା ପଞ୍ଚାୟତର ପାଟପୁର ଗ୍ରାମରେ ଜଣ୍ଡିସ୍ ବ୍ୟାପିବାରେ ଲାଗିଛି। ଯାହାକୁ ନେଇ ଗ୍ରାମରେ ଆଡକ ଖେଳିଯାଇଛି। ତେବେ କେହି କାରଣରୁ ରୋଗ ବ୍ୟାପିଛି ତା'କୁ ନେଇ ସାଧାରଣରେ ବଡ଼ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠିଥିବାବେଳେ ଦିନକୁ ଦିନ ରୋଗୀଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଗତ ତିନିଦିନ ଭିତରେ ଗ୍ରାମର ୨୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଲୋକ ଏହି ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ ସାରିଲେଣି। କିଶୋରୀ ଡାକ୍ତରଖାନା ପକ୍ଷରୁ ଡାକ୍ତରୀ ଟିମ୍ ଯାଇ ଘାନାୟ ଆଶାକର୍ମୀ ମାଳକୀ ବେହେରାଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ଆକ୍ରାନ୍ତଙ୍କୁ ଛେଡ଼ିବା ସହ ଆବଶ୍ୟକ ଚିକିତ୍ସା ସେବା ଯୋଗାଇ ଦେଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଲୋକଙ୍କୁ ଖାଦ୍ୟ ପାନୀୟ ଜଳ ବ୍ୟବହାର ପ୍ରତି ସତର୍କତା ରହିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ତେବେ ଗ୍ରାମବାସୀ ଜଣ୍ଡିସ୍ ହେବାର କାରଣ ଦୃଷ୍ଟିତ ପାଠ୍ୟପଞ୍ଜୀକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ବସ୍ତୁ ଯାତାଯାତ ବ୍ୟାପିଥିବା କହିଛନ୍ତି।

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀରେ 'ସ୍କୁଲ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କମିଟି ଗଠନ'ର ଶୁଭାରମ୍ଭ

ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାକୁ ଅଧିକ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଓ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟ: ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର



ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ ସ୍ଥିତ ବିଜ୍ଞାନ ଭବନ ଠାରେ ଆୟୋଜିତ ଏକ ସତରଂ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ 'ସ୍କୁଲ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କମିଟି ୨୦୨୬'ର ନୂତନ ମାର୍ଗଦର୍ଶିକା ଉଦ୍ଦୋତ୍ତର କରାଯାଇଛି। କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷାମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ। ଏହାଏବେ ଗଠନ କରାଯାଇଥିବା ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷିତ୍ରୀ, ଅଭିଭାବକ ଏବଂ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏକ ସେତୁ ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବ। ଏହା ସହ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାକୁ ଅଧିକ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଓ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ କରିବା ବୋଲି ସେ ଉଲ୍ଲେଖ କରି ଆଗେ ସମସ୍ତେ ବିଦ୍ୟାଳୟର ସାମଗ୍ରିକ ବିକାଶ, ଅନୁଶୀଳନ ଏବଂ ଗୁଣାତ୍ମକ ଶିକ୍ଷାର ତଦାରଖ ପାଇଁ ମିଳିମିଶି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି। ସେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ନୂତନ ପିଢ଼ିର ଆବଶ୍ୟକତାକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀରୁ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ସାହାଯ୍ୟ ଥିବା ଏବଂ ଏହାକୁ ଆଧାରିତ ଶିକ୍ଷାର ଶୁଭାରମ୍ଭ କରାଯାଇଛି। ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା

■ ଦୁଷ୍ପର୍ଣ୍ଣ ପାଠିକା ନାବାଳିକାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ ମାମଲା

ହାଇକୋର୍ଟରେ ଦାଖଲ ହେଲା ଏମ୍ ସ ରିପୋର୍ଟ

କଟକ, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ଜଣେ ୧୬ ବର୍ଷୀୟ ନାବାଳିକାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ ପ୍ରସଙ୍ଗକୁ ହାଇକୋର୍ଟ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଶୁଣାଣି କରୁଛନ୍ତି। ଏହି ମାମଲାରେ ହାଇକୋର୍ଟ ପୂର୍ବ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପୂର୍ବକ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଏମ୍ ସ ମେଡିକାଲ ଆଧିକାରୀଙ୍କ ତରଫରୁ ଆଜି ଏକ ରିପୋର୍ଟ ଦାଖଲ କରାଯାଇଛି। ପାଠିକାଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥାର ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ୯ ଜଣ ଡାକ୍ତରଙ୍କୁ ନେଇ ମେଡିକାଲ ବୋର୍ଡ ଗଠନ କରାଯାଇଥିଲା। ପାଠିକାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ (ଏମ୍ ସି) ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ପରାକ୍ଷା କରି ଡାକ୍ତରମାନେ ସେମାନଙ୍କ ମତାମତ ଦେଇଥିବା ରିପୋର୍ଟରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଥିଲା। ୩୧ ସପ୍ଟେମ୍ବର ଗର୍ଭ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଏବେ ଗର୍ଭପାତ ହୋଇ ଡାକ୍ତରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରତି ବିପଦ ରହିଛି। ପ୍ରସୂତି ପୂର୍ବରୁ ଯତ୍ନ ସହିତ ୪୦ ସପ୍ଟେମ୍ବର ପାଇଁ ଗର୍ଭଧାରଣ କରି ରଖିବାକୁ ଦିଆଯାଇପାରେ ଓ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଳାପଳ ପାଇଁ ସେହି ସମୟରେ ପ୍ରସବ କରାଯାଇ ପାରିବ ବୋଲି ରିପୋର୍ଟରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ରିପୋର୍ଟର ଏକ ନକଲ ଆବେଦନକାରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ହାଇକୋର୍ଟ କହିବା ସହିତ ମୋ ୨୩ ମାମଲାର ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶୁଣାଣି ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ପାଠିକାଙ୍କ ଅଭିଭାବକଙ୍କ ତରଫରୁ ଦାୟର ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି କରି ଜଣ୍ଡିସ୍ ବି.ପି. ରାଉତରାୟ ଏପରି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ମାମଲାରୁ ପ୍ରକାଶ ଯେ ଜଣେ ଦୁଷ୍ପର୍ଣ୍ଣ ପାଠିକା ଗର୍ଭପାତ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଡାକ୍ତର ଗର୍ଭପାତ ପାଇଁ ଅନୁମତି ଦେବାକୁ ପରିବାର ସଦସ୍ୟ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ହୋଇଥିଲେ। ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ତରଫରୁ ଆଇନଜୀବୀ ରମାକାନ୍ତ ଶତ୍ୱଜୀ ମାମଲା ପରିଚାଳନା କରୁଛନ୍ତି।

ଜନଶଗଣାରେ ବାଧା ଦେଉଥିବା ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବିରୋଧରେ ହେବ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷିତ୍ରୀମାନେ ଜନଶଗଣା କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିଯୋଜିତ ଅଛନ୍ତି। ମାତ୍ର ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ସେମାନଙ୍କୁ ଜନଶଗଣା କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଛାଡ଼ି ନାହାଁନ୍ତି। ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରୁ ଏପରି ଅଭିଯୋଗ ଆସିବା ପରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ କଠୋର ହୋଇଛି। ଜନଶଗଣା କାର୍ଯ୍ୟପାଇଁ ବାଧା ଦେଉଥିବା ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନିଆଯିବ ବୋଲି

କଡ଼ା ଦେଖାଯାଇଛି। ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ, କିଛି ଘରୋଇ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ଅନିର୍ଦ୍ଦେଶିତ ଭାବେ ଜନଶଗଣା କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଛାଡ଼ି ନାହାଁନ୍ତି। ଯାହା ଜନଶଗଣାକୁ ସିଧାସଳଖ ପ୍ରଭାବିତ କରୁଛି। ଏହା ଆଇନର ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ ବୋଲି ଦର୍ଶାଇବା ସହିତ ଆଇନ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନକାରୀ ବିଦ୍ୟାଳୟ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନେବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି।

ଅପରାଧ ପ୍ରତିହତ କରିବାରେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରଶାସନ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଫଳ: ମୋକିମ

ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଆଇନଶୁଖିଲା, ମହିଳା ହିଂସା ବୃଦ୍ଧି ବିରୁଦ୍ଧରେ ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସର ପ୍ରତିବାଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଆଇନ ଶୁଖିଲା, ଉଦ୍‌ବେଗଜନକ ମହିଳା ହିଂସା, ଖଣି ମାପିଆଳ ଗୁଣ୍ଡାମାଳ, ଦଳିତ ଆଦିବାସୀଙ୍କ ଉପରେ ଦମନକାମୀ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସ ପାର୍ଟି ତରଫରୁ ଗଣାମାର୍ଗରେ ପ୍ରତିବାଦ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ପ୍ରତିବାଦ ସଭାକୁ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେଇ ସଭାପତି ଡଃ ମହମ୍ମଦ ମୋକିମ କହିଲେ ଯେ ସରକାର କେବଳ ନିଜର ଆତ୍ମ ବଢ଼ିବା ପ୍ରଚାରରେ ଲାଗିଥିବା ବେଳେ ରାଜରାଷ୍ଟ୍ରରେ ମହିଳା ମାନେ ନିର୍ଯାତିତ ହେଉଛନ୍ତି। ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଦେବାକୁ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଆଇନ ଶୁଖିଲାକୁ ନେଇ ରାଜ୍ୟ ସାରା ଲୋକଙ୍କ ସରହୋଇ କୋରଦା ଓ ତାକୁ ଆନ୍ଦୋଳନ ହେବ। ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସର ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବାସୁଦେବ ଭଟ୍ଟ, ପ୍ରତାପ ପ୍ରଧାନ, ଶିବିବାଳା ବେହେରା, ନିକୁଞ୍ଜ ପାଣିଗ୍ରାହୀ, ନିଜିକୃତ ରେହମାନ ଖାନଙ୍କୁ ନେଇ ଏକ ପ୍ରତିନିଧି ମଣ୍ଡଳୀ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଆଇନ ଶୁଖିଲା ପରିସ୍ଥିତିର ସମାଧାନ ପାଇଁ ହରିତ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାକୁ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତିରେ ଡାକ୍ତରୀ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ କେଟି ସ୍ୱାରକପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବଦ୍ଧି ମହାନ୍ତିଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ପ୍ରତିବାଦ ସଭାରେ ଶହଶହ କର୍ମକର୍ତ୍ତାମାନେ ପୁଲିସ୍ ଓ ଫୁଲ ଧରି ସୁରାସ୍ତ୍ର ଦେଇ ଶୋଭାଯାତ୍ରାରେ ଯାଇଥିଲେ। ସୂଚନା ଅନୁସାରେ, ନିରାଶ ଦଳିତ



ମହିଳା ଏବଂ ୮,୪୦୩ ଶିଶୁ ନିଶ୍ଚଳ ହୋଇଛନ୍ତି। ବାର୍ଷିକ ହାରାହାରି ପ୍ରାୟ ୬,୨୦୦ ମହିଳା ଏବଂ ୧,୬୦୦ ଶିଶୁ ନିଶ୍ଚଳ ହେଉଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅତ୍ୟାଚାର କ୍ଷେତ୍ରରେ ଦେଶରେ ୪ର୍ଥ ସ୍ଥାନରେ ଅଛି। ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସ ରାଜ୍ୟର ଆଇନ ଶୁଖିଲା ପାଇଁ ଡିଜିଟାଲ୍ ନିରପେକ୍ଷ ଭାବେ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦାୟିତ୍ୱ ସହ ଉତ୍ତରଦାୟୀ କରିବ। ଏକ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ଉଚ୍ଚତ୍ତରାୟ ଟାଣ୍ଡିପୋର୍ଟି ଗଠନ କରି ଆଇନ ଶୁଖିଲା ବ୍ୟବସ୍ଥାର ସମାଧାନ ଓ ସୁଧାର ଆଣିବା, ମହିଳା, ଶିଶୁ ଓ ଦଳିତ, ଆଦିବାସୀ ଅପରାଧ ମାମଲାରେ ସମୟକ୍ରମେ ତଦନ୍ତ, ଚାର୍ଜିସ୍

ଓ ଦଣ୍ଡାଦେଶ ହାର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ବିଶେଷ ଅଭିଯାନ ସହିତ ଅପରାଧ ରୋକିବାକୁ ଯଥେଷ୍ଟ ଯୋଜିତ ନିୟୁତ୍ତ, ପରେନିବୃତ୍ତ ସହାୟତା ଏବଂ ଆର୍ଥିକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରଦାନ କରିବା, ଧର୍ଷଣ, ଯୋକ୍ତା ଏବଂ ଏସ୍ପି/ଏସ୍‌ସି ଅତ୍ୟାଚାର ମାମଲା ପାଇଁ ସତର୍କ ପାଞ୍ଚଗ୍ରାଂ ଅଧିକାର ସ୍ଥାପନ କରିବା, ମହିଳା, ନାବାଳିକା

ଓ ଏସ୍‌ସି/ଏସ୍‌ସି ସମ୍ପର୍କରେ ବିରୋଧରେ ଶୂନ୍ୟ ସହନଶୀଳତା ପାଇଁ କଠୋର ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିବା, ନିଶ୍ଚଳ ମହିଳାଙ୍କ ଅନୁରୋଧ ପାଇଁ ସର୍ବସାଧାରଣରେ ପଚାଚେ ପ୍ରଦର୍ଶନ ସହ ତଦନ୍ତ ଅଗ୍ରଗତି ଦେନିକ ସମାଧାନ କରିବା, ପାଠିକା ଓ ପରିବାରକୁ ଉପଯୁକ୍ତ କ୍ଷତିପୂରଣ, ସୁରକ୍ଷା ଏବଂ ପୁନର୍ବାସ ପାଇଁ ସତର୍କ ଯୋଜନା କରିବା ସହିତ ଜିଲ୍ଲା ଏସ୍‌ସି ଓ ପୋଲିସ୍ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଅନୁସାରେ ସହକାରକଦେହ ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରଚଳନ ଆଦି ବିଷୟରେ ଅଧିକ ଗମ୍ଭୀରତାର ସହିତ ବିଚାର କରିବାକୁ ସରକାରଙ୍କ ନିକଟରେ ଓକେସି ଦାବି କରିଛି।

ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ଅଞ୍ଚଳରେ 'ଜଳଭିତ୍ତିକ ଦୁଃସାହସିକ ପର୍ଯ୍ୟଟନ'କୁ ମିଳିବ ବଳ

୫ ଜିଲ୍ଲାରେ ହେବ ଜାଗା ଚିହ୍ନଟ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨।୫ (ସମ୍ବିଧା): ଓଡ଼ିଶାରେ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ସହଯୋଗ କରିବାକୁ ପତ୍ର କଳକ୍ରୀଡ଼ା ପାଇଁ ବ୍ୟାପକ ସୁଯୋଗ ଏବଂ ସମ୍ଭାବନା ରହିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ବ୍ୟବହାର କରିବାକୁ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ଶିଳ୍ପ ଆଗକୁ ନେବାକୁ ସରକାର ଚିନ୍ତା କରୁଛନ୍ତି। ଏହିକ୍ରମରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଦୁଃସାହସିକ କଳକ୍ରୀଡ଼ା ଭିତ୍ତିକକୁ ବ୍ୟାପକ କରିବା ପାଇଁ ସରକାର ସ୍ତରରେ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଛି। ରାଜ୍ୟର ୫ ଜିଲ୍ଲାରେ ଏଥିପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ସ୍ତରୀୟ ବିଶେଷିକ ଟିମ୍ ଗୁଡ଼ିଗୁଡ଼ିକା ଚିହ୍ନଟ କରିବେ। ଓଡ଼ିଶାର ଅତ୍ୟୁଚ୍ଚ ପ୍ରାକୃତିକ ସମ୍ପଦ ଓ ଜଳବାୟୁ ପର୍ଯ୍ୟଟନର କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏକ ବଡ଼ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଶା ଦୁଃସାହସିକ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ନିୟମାବଳୀ-୨୦୨୫ ଅନୁଯାୟୀ ଗୋ-ଆଡଭେଣ୍ଚର ପୋର୍ଟାଲ ଜରିଆରେ ଆସିଥିବା ନୂତନ ଆବେଦନଗୁଡ଼ିକର କ୍ଷେତ୍ର ପରିଦର୍ଶନ ଓ ବିଶେଷିକ ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଦାପ୍ତର ମହାପାତ୍ର ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଶ୍ରୀ ମହାପାତ୍ରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଏହାପରେ ପୁରୀ, ଗଞ୍ଜାମ, ଜଗତସିଂହପୁର, ସମ୍ବଲପୁର ଏବଂ ସୁନ୍ଦରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାରେ ଜିଲ୍ଲାପାଳମାନଙ୍କୁ

FAKIR MOHAN UNIVERSITY

Vyasa Vihar, Nuapadhi, Balasore, Odisha, Pin.-756089
 Phone: 06782-275787
 email-id: registrarfmuniversity@gmail.com
 Website: www.fmuniversity.nic.in

Letter No.: FMU-Estt.(T)-II-04/2026/4148 Date: 02/05/2026

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT OF FACULTY POSITIONS

Applications are invited from eligible candidates as per UGC eligibility criteria (UGC Notification dated 18th July 2018 and subsequent amendments) to fill up various regular faculty positions, including backlog vacancies, in the Post Graduate Departments of Fakir Mohan University.

Online Applications, through <https://himsrecruitment.odisha.gov.in/home>, are invited in prescribed application form from the eligible candidates for appointment to the following teaching positions on regular basis:

Subject	Name of the Post and No. of Vacant Position			
	Total No. of Posts	Professor	Associate Professor	Assistant Professor
Applied Geology	02	01-ST(W)	01-ST	--
Bioscience and Biotechnology	01	01-SC	--	--
Botany	06	01-SEBC(W)	01-SC,01-SEBC	01-UR,01-SC,01-SC(W)
Business Management	02	01-UR	01-ST	--
Chemistry	03	01-ST	--	01-SEBC, 01-UR
Commerce	06	01-UR	01-SC,01-ST(W)	01-SC, 01-UR, 01-UR(W)
Computer Science	01	01-SC	--	--
Economics	02	--	01-SEBC(W)*	01-SEBC
Education	01	01-UR(W)	--	--
Environmental Science	01	--	--	01-UR(W)
Geography	01	--	01-ST	--
History and Archeology	06	01-ST	01-SC(W),01-ST	02-UR,01-SC(W)
Journalism and Mass communication	03	01-UR	01-SC,01-SEBC**	--
Mathematics	01	01-SEBC	--	--
Odia	01	01-UR	--	--
Physics	02	01-ST	01-ST(W)	--
Political Science	02	--	01-SC	01-ST
Population Studies	04	01-UR(W)	01-ST(W), 01-SEBC	01-UR(W)*
Sociology	01	--	01-ST	--
Urdu	01	--	01-SC(W)	--
Zoology	06	01-SC(W)	01-UR,01-ST(W)	01-SEBC(W),01-UR,01-SC
Total	53	15	20	18

Abbreviation: [UR = Unreserved; SEBC = Socially and Educationally Backward Classes; SC = Scheduled Caste; ST = Scheduled Tribe; W = Woman]

* Lien vacancy: The post is likely to continue until the completion of the lien period of the lien holder. However, if the lien holder re-joins the post, the selected candidate will be relieved. Otherwise, the selected candidate may be absorbed into the post.

** Likely to be vacant due to superannuation on 31.05.2026

Note:

- 1) In case of non-availability of suitable women candidates, the posts shall be filled up by male candidates from the same category.
- 2) An appropriate number of posts for Assistant Professor, Associate Professor, and Professor shall be reserved for candidates under the PwD category, in accordance with the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, subject to the availability of the eligible candidates.

IMPORTANT DATES

Link available for online application form from	7th May, 2026.
Last date for submission of online application form	7th June, 2026
Last date for hard copy of online generated application form with required documents	17th June, 2026 up to 05:00 p.m.

Application Fee

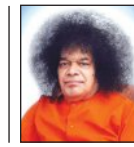
1. The application fee is Rs.1000/- for General and SEBC candidates.
2. The application fee is Rs.600/- for SC and ST candidates.
3. There is no application fee for PwD candidates.
4. The fee must be paid online through the portal and is non-refundable.

Candidates are required to send a hard copy of the downloaded completely filled up application form along with all relevant documents only through Speed Post addressed to:

The Registrar,
 Fakir Mohan University
 Vyasa Vihar, Balasore – 756089
 Dist: Balasore (Odisha)

The University reserves the right to modify the posts, number of vacancies and to cancel or modify this notification without assigning any reason therefor.

Sd/- Registrar



ଯଦି ଦୟା ଓ ଔଚିତ୍ୟ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିକୁ ବାଛିବାକୁ ପଡ଼େ,
ତେବେ ଦୟା ହିଁ ଦେଖାନ୍ତୁ, ତାହା ସର୍ବଦା ଉଚିତ୍ ମାର୍ଗ ହେବ !
-ସତ୍ୟସାଲ ବାବା

ସକାଳ

THE SAKALA

ଗଣତନ୍ତ୍ର ବିବର୍ତ୍ତନ!

ଗାଁ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଏକ ନୂଆ ସମାଜର ସୃଷ୍ଟି କରିଛି ଏବଂ ଏକ ଭିନ୍ନ ସଙ୍କେତ ଦେଇଛି । ଦେଶର ସାମଗ୍ରିକ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ଶାସନ କ୍ଷମତାରୁ ପୁଣି ଏକ ଆଞ୍ଚଳିକ ରାଜନୈତିକ ଦଳ (ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର ଡିଏମ୍‌କ୍ୟୁ କଂଗ୍ରେସ) ବାଦ୍ ପଡ଼ିଛି ଏବଂ (ତାମିଲନାଡୁରେ ଚିକିତ୍ସକ) ଏକ ନୂଆ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳର ଆବିର୍ଭାବ ଘଟିଛି । ଏଥିପ୍ରତି ଦେଶର ପୁରୁଣା ଜାତୀୟ ଦଳ ସିପିଆଇ(ଏମ୍) ସାଧାନୋଭର ଭାରତରେ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ କୌଣସି ରାଜ୍ୟର କ୍ଷମତାରୁ ଅପସାରିତ ହୋଇଛି । ଅପରପକ୍ଷରେ ତାମିଲନାଡୁରେ କଂଗ୍ରେସ ଡିଏମ୍‌କ୍ୟୁର ହାତ ଛାଡ଼ି ଚିକିତ୍ସକ ନେତା ଆଲାପତି ବିଜୟଙ୍କ ସହିତ ମେଣ୍ଟ କରିବାକୁ ଯାଉଛି ଏବଂ କ୍ଷମତା ରାଜନୀତିରେ ସବୁକିଛି ସମ୍ଭବ ବୋଲି ପରୋକ୍ଷ ସଂକେତ ଦେଇଛି । କେନ୍ଦ୍ରରେ କ୍ଷମତାରେ ରହିବା ପାଇଁ ଏକଦା ବିଜେପି ତା'ର ଚିର ଆଦର୍ଶର ବିରୋଧୀ ଏମ୍ କରୁଣାନିଧିଙ୍କୁ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ଡିଏମ୍‌କ୍ୟୁର ସହିତ ଏବଂ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶରେ ମାୟାବତୀଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ବିଏସପି ମେଣ୍ଟ କରି ରାଜନୀତିରେ କେହି ଚିର ଶତ୍ରୁ କିମ୍ବା ମିତ୍ର ନୁହେଁ ବୋଲି ଯେଉଁ ଉଦାହରଣଟିଏ ସୃଷ୍ଟି କରିଥିଲା ଏବେ କଂଗ୍ରେସ ସେହି ଭୈତ୍ୟାସକୁ ଦୋହରାଇଛି ।

୨୦୧୪ରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ଗଣତନ୍ତ୍ର ବିବର୍ତ୍ତନ ଧାରାରେ ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଯେପରି ବିଲୀନ ହୋଇ ଚାଲିଛନ୍ତି ତାହା ରାଜନୀତି ବିଶାଳପରି ବ୍ୟାପି ଚଳିଛି । ନିର୍ବାଚନରେ ଯେଉଁ ଦଳ ଅଧିକ ଜନାଦେଶ ପାଇବ ସେ କ୍ଷମତାରେ ରହିବ ଏହା ନିସନ୍ଦେହ । କିନ୍ତୁ ଏହି ଜାତୀୟ କ୍ଷମତା ପ୍ରୋତ୍ସାହନରେ ଯଦି ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନେ ବଳି ପଡ଼ନ୍ତି ବା କ୍ଷମତା କ୍ଷେତ୍ରରୁ ଦୂରରେ ଯାଆନ୍ତି ତେବେ ତାହା ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳଗଣର ସମ୍ମୁଖେ ବିନିଷ୍ଠ କରିଦେବାର ଆଶଙ୍କା ଅଧିକ । ସାଧାନୋଭର ଭାରତରେ ଜାତୀୟ ଦଳ ବାହା କେନ୍ଦ୍ରରେ ଗଠିତ ସରକାରମାନଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରତି ସାମ୍ରାଜ୍ୟତା ମନୋଭାବ ଓ ଭେଦଭାବ ଜନିତ ପ୍ରତିରୋଧ ଅସଂଯୋଗ୍ୟ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କର ଉଦ୍‌ଭବ ହୋଇ ଅଭୂତପୂର୍ବ ଜନସମର୍ଥନ ଲାଭ କରିଥିଲା । ଆଞ୍ଚଳିକ ସାଥୀ, ସାହିତ୍ୟାତ୍ମକ ସୁରକ୍ଷା ସହିତ ଦଳଗଣର ସମ୍ଭାବନା ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କୁ ନିରକଳ୍ପ ଓ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ କ୍ଷମତା ସମର୍ପଣ କରିଥିଲା । ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କ ଆଶା ଓ ଭରସାକୁ ଚିରତୀକ୍ଷ କରି ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳର ସରକାରମାନଙ୍କ ଅଫଳରେ ରାଜ୍ୟର ବିକାଶ ମଧ୍ୟ ବରାଦ୍ୱିତ ହୋଇଥିଲା ।

କେବଳ ଓଡ଼ିଶାର ଉଦାହରଣ ଦେଖାଯାଉ । ୨୦୦୦ ମସିହା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରାୟତଃ ଜାତୀୟ ଦଳ ବାହା ନିରନ୍ତର ଶାସିତ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ପଛୁଆ ଓ ଗରିବ ରାଜ୍ୟ ଭାବେ ପରିଗଣିତ ହୋଇଥିଲା । କିନ୍ତୁ ସେହି ବର୍ଷ 'ବିଜୁ ଜନତା ଦଳ' କ୍ଷମତାକୁ ଆସିବା ପରେ କେବଳ ସେହି 'ଦାରିଦ୍ର୍ୟ-କଳଙ୍କ' ହଟିଲା ନାହିଁ, ବରଂ ଜାତୀୟ ଓ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସ୍ତରରେ ଅନେକ ଉଦାହରଣୀୟ ଓ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱଗାମୀ ସଫଳତା ହାସଲ କଲା । ଏବେ ପୁଣି ଥରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଜାତୀୟ ଦଳର ସରକାର ଅଛି । କେବଳ ଦଳର ସୁସ୍ଥିତ ଲିଡରଙ୍କ ପ୍ରଚାର ପ୍ରସାର ବ୍ୟତୀତ ବିକାଶର ଚକ କେତେ ଗଢ଼ିଛି, ଗତି କେଉଁ ଦିଗକୁ ଯାଉଛି, ତାହା ଉଲ୍ଲେଖ ଅନାବଶ୍ୟକ । ଜାତୀୟ ଦଳର ରାଜ୍ୟ ସରକାରମାନେ (ତଦ୍‌ବଳ୍ ଇଞ୍ଜିନ) କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ନେତା ଓ ସରକାରଙ୍କ ବଶମୁଖ୍ୟ ଓ ବଚସ୍ୱର ହେବାକୁ ବାଧ୍ୟ । ସେମାନେ କଦାପି ରାଜ୍ୟ ସାଥୀ(ମାଟି) ପାଇଁ ନିଜ ଦକୀୟ(ପାଟି) ସାଥୀକୁ ବଳି ଦେଇପାରିବେ ନାହିଁ । ଏହାର ଉଦାହରଣ ଗତ ୬୮ ବର୍ଷ ଧରି ଭାରତର ରାଜନୈତିକ ଇତିହାସ ଦେଖିଆସୁଛି ଏବଂ ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଅନାୟ-ଅବହେଳା ବିକଳିତ ଅଧ୍ୟାୟ ଲେଖିଯାଉଛି । ଏହି ପୃଷ୍ଠଭୂମିରେ ରାଜ୍ୟ ଓ ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କ ସାଥୀ, ବିକାଶର ଦାବି କେନ୍ଦ୍ର ଆଗରେ ରଖିବା ପାଇଁ କେବଳ କିଏ ଓ କେମିତି? ତେଣୁ ତଦ୍‌ବଳ୍ ଇଞ୍ଜିନ (ଜାତୀୟ ଦଳର ରାଜ୍ୟର ସରକାର) ଓଡ଼ିଶାର ବିକାଶ ଗାଡ଼ିକୁ କେତେ ଆଗକୁ କିମ୍ବା ପଛକୁ ନେବ ତାହା ଆଉ ଦୁଇ/ତିନିବର୍ଷ ଭିତରେ ଲୋକେ ଦେଖି ନୁହଁନ୍ତି । ଯାହା ଓଡ଼ିଶାରେ ହେଉଛି ତାହା ଆଗାମୀ ଦିନରେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ହେବାକୁ ଯାଉଛି । ତଦ୍‌ବଳ୍ ଇଞ୍ଜିନକୁ ପସନ୍ଦ କରିଥିବା ଗୋଟିଏମାନେ ଏହା ଗୁଡ଼ିଏ ବେଳକୁ ବିକାଶର ଇଞ୍ଜିନ ଦୃଷ୍ଟି ଆଡ଼ାଳୁଛନ୍ତି ବହୁ ପଛକୁ ଚାଲିଯାଇଥିବ । ସେତେବେଳକୁ ଅନୁତାପ କରିବାର ସମୟ ମଧ୍ୟ ନ ଥିବ ।

ଆଜିର ଦିନର ବିତ୍ତ୍ୱନ ହେଲା କେବଳ ନାରୀ ବା ସ୍ତ୍ରୀମାନଙ୍କ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଉଥିବା ତଦ୍‌ବଳ୍ ଇଞ୍ଜିନ ସରକାରମାନେ ଭୁଲି ଯାଉଛନ୍ତି ଯେ ନ୍ୟସ୍ତସାଥୀ ବିକଳିତ ଦୃଷ୍ଟିଭଙ୍ଗା ଏବଂ ରାଜନୈତିକ ଅଭିସନ୍ଧିର ମନସ୍ତତ୍ତ୍ୱରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶର ବାସ୍ତବତା ସାକାର ହୋଇପାରିବ ନାହିଁ ଏବଂ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶ ବିନା ବିକଶିତ ଭାରତର ପରିକଳ୍ପନାର ମଧ୍ୟ କୌଣସି ଭିତ୍ତି ନାହିଁ । କିନ୍ତୁ ଏହି ବିତ୍ତ୍ୱନକୁ ଭାରତୀୟ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଗତ କିଛିବର୍ଷ ହେଲା ଦେଖି ଆସୁଛି ଏବଂ ଆହୁରି ଅନେକ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସହିବାକୁ ଯାଉଛି । ଏବେ ବିଶ୍ୱର ସର୍ବବୃହତ୍ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଭାରତରେ କେବଳ ପଞ୍ଜାବ, ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ, ଜାମ୍ମୁ-କାଶ୍ମୀର ଓ ତାମିଲନାଡୁକୁ ଛାଡ଼ିଦେଲେ ଆଉ କୌଣସି ରାଜ୍ୟରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଏକାକୀ ଶାସନ କ୍ଷମତାରେ ନାହିଁ । ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଭାବେ ଦିଲ୍ଲୀକୁ ଜିତି ନେଇ ଜାତୀୟ ଦଳର ମାନ୍ୟତା ପାଇଥିବା ଆମ୍ ଆର୍ଏମ୍ ପାର୍ଟି(ଆପ୍) କୁ ନିଜ ରାଜନୈତିକ ଶତ୍ରୁତ୍ୱରେ ଦୁର୍ବଳ ହୋଇ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ପଞ୍ଜାବରୁ ମଧ୍ୟ କ୍ଷମତାହୀନ ହେବା ଆଣିବି ଅବ୍ୟକ୍ତ ପରିକଳ୍ପନା ନୁହେଁ ।

୧୯୮୯ ମସିହା ପରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନେ ଜାତୀୟ ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଗଠନରେ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଭୂମିକା ନିର୍ବାହ କରିଆସିଥିଲେ । ଏପରିକି ଜାତୀୟ ଦଳ କଂଗ୍ରେସ ଓ ବିଜେପି ମଧ୍ୟ କ୍ଷମତା ରାଜନୀତିରେ ଅନେକ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କ ଅନୁଗ୍ରହ ଓ ସହାୟତା ଲୋଡ଼ିଥିଲେ । ଏବେ ସମୟର ଦଳ ଚଳିଛି । ଜାତୀୟ ଦଳ ବିଜେପି ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳକୁ ସାମ-ଦାମ-ଦଣ୍ଡ-ଭେଦ ନୀତିରେ ନିର୍ଣ୍ଣୟ କରି ଚାଲିଛି । ଏକ ଜା ସହିବାରେ ଆଣିବି ଭୁଲି ହେବ ନାହିଁ ଯେ ୧୯୮୯ ମସିହା ପୂର୍ବରୁ କଂଗ୍ରେସ କ୍ଷମତାର ଅହଂରେ ଯେଉଁ ଭୁଲ କରି ବସିଥିଲା ତାହାକୁ ଏବେ ବିଜେପି ଦୋହରାଇଛି । ଆଜି କଂଗ୍ରେସର ସ୍ଥିତି ଯାହା ଆସନ୍ତା କାଳି ବିଜେପି ସମ୍ମତ ହୋଇ ଗୋଟିଏ ଥର । କାରଣ ସବୁ ଉଦ୍‌ଆଦର ଏକ ପତନ ସୁନିଶ୍ଚିତ । ସବୁ ଉଦ୍‌ୟର ଏକ ଅନ୍ତ ଅଛି । ଗଣତନ୍ତ୍ରର ଏହି ବିବର୍ତ୍ତନ ଧାରାରେ ଆଗାମୀ କାଳିର ନବପ୍ରଭାବରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ରାଜନୈତିକ ଦଳମାନଙ୍କ ଦଳଗଠନର ଆଉ ଏକ ସମ୍ଭାବନା ମଧ୍ୟ ଲୁଚି ରହିଛି । ହୁଏତ ଭାରତୀୟ ଗଣତନ୍ତ୍ର ପୁଣି ଏକ ନବଯୁଗର ପୂର୍ବୋପାୟକୁ ଅପେକ୍ଷା କରିଛି ।

ସାରଦା ପ୍ରସାଦ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ

ଗାଁ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ସମାଜ ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଦାୟିତ୍ୱ ନିର୍ବାହ କରିଥାନ୍ତି । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ନିଷ୍ଠାର ସହ ସୁତାରୁ ରୂପେ ସମ୍ପନ୍ନ କରିବାକୁ ହେଲେ ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କର ସାଧାନତା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଜରୁରୀ । ଗୋଟିଏ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଘଟଣାକୁ ଲୋକଲୋଚନକୁ ଆଣିବାର ପ୍ରୟାସ ଓ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା ସହିତ ସାମ୍ବାଦିକତାର କୌଶଳକୁ ଯେତିକି ତୀବ୍ର କରିହେବ, ଯତ୍ନଶୀଳ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ହେବା ସହିତ ସମପରିମାଣରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ବଜାୟ ରହିପାରିବ । ଖବରକାଗଜ ପୃଷ୍ଠା ହେଉ ଅବା ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ- ସବୁଠି ସାମ୍ବାଦିକତା ତା'ର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପରିଚୟ ସୃଷ୍ଟି କରିପାରିବ । ସେହିଭଳି ସାମ୍ବାଦିକତା ଗୋଟିଏ ପବିତ୍ର ବୃତ୍ତି ଓ ପ୍ରକୃତି ଭାବେ ଗୃହୀତ ହେଲେ ସର୍ବଦା ତାହା ସମଗ୍ର ପାଇଁ ପ୍ରେରଣାଦାୟକ ହୋଇଥାଏ । ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀ, ଗୋପବନ୍ଧୁଙ୍କ ସାମ୍ବାଦିକତା ଜୀବନଯାତ୍ରା ଆମ ପାଇଁ ସାଧାନତାର ବାକ୍ ଦମ୍ପନ କରିଥିଲା ।

ସାମ୍ବାଦପତ୍ର ଓ ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କ ଗୁରୁତ୍ୱକୁ ସମଗ୍ର ଉପଲକ୍ଷି କରିଥାନ୍ତି । କିନ୍ତୁ କ୍ଷୋଭର ବିଷୟ, ସମ୍ପ୍ରତି ସମାଜ ପାଇଁ ସାମ୍ବାଦର ଚାହିଦା ଅସ୍ପଷ୍ଟ ରହିଥିବା ବେଳେ ସାମ୍ବାଦିକତା ଆଉ ଆଉ ଭଲ ଆକର୍ଷଣୀୟ ହୋଇପାରେ ନ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି । ଅଧିକ ସାମ୍ବାଦପତ୍ର ସୃଷ୍ଟି, ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ ବିବିଧତା ଆମ ସାମାଜିକ ଜୀବନରେ ଯେଉଁ ଅସହାୟତାକୁ ସମାଧାନ କରିବା କଥା, ସେ ଦିଗରେ ଏବେ ବି ଶତପ୍ରତିଶତ ସଫଳ ହୋଇ ପାରୁନାହିଁ । କିଛି ତାମେଲ୍ ଗୁରୁତ୍ୱହୀନ ସାମ୍ବାଦକୁ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ଦେଉଥିବା ବେଳେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ

ହାରରେ ଫଳପ୍ରସ୍ତୁ ସନ୍ତୋଷ ସାଙ୍ଗିତ ପାରୁନାହିଁ । କିଛି ସାମ୍ବାଦିକ ନିଜର ସାଥୀସାଥୀଙ୍କ ପାଇଁ ବ୍ୟକ୍ତିକ୍ଷେତ୍ରିକ ବିଷୟବସ୍ତୁ ଉପରେ ଆଲୋଚନା କରି ସାମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣରେ ବ୍ୟସ୍ତ ରହୁଛନ୍ତି । ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ରାଜନୈତିକ ଦଳକୁ ସୁହାଇଲା ଭଳି ଖବର, ମନଗତା କାହାଣୀ, ସତ୍ୟତା ଅନୁସନ୍ଧାନ ନକରି ଶୁଣାଶୁଣାକୁ ଗ୍ରହଣ କରି ଖବରକାଗଜ ପୃଷ୍ଠାରେ ସ୍ଥାନ ଦେଇ ନିଜର ସାମ୍ବାଦିକତାକୁ ପ୍ରଚାର ଓ ପ୍ରସାର କରି ବାହାଦୂରୀ ନେବା ପାଇଁ ଆଗଭର ହେଉଛନ୍ତି ।

ତତ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସ୍ତ୍ରମ ବିବେଚନା କରି ଦୁଇ ଶ୍ରେଣୀର ହାତେଇବା ଅପେକ୍ଷା କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ସୁତାରୁ ରୂପେ ସମ୍ପନ୍ନ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ । କିନ୍ତୁ ଦୁଃଖର ବିଷୟ ଏଥିରେ କିଛିଟା ଅନୁପସ୍ଥିତି ଅନୁଭବ ହେଉଛି । ତେଣୁ ସାମ୍ବାଦିକତା କୁଳମ୍ପ ଜନକଲ୍ୟାଣକାରୀ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ପଛକୁ ହସୁଥିବା ମନେ ହେଉଛି । ଫଳରେ ସମାଜର ସାମ୍ବାଦିକ ଉନ୍ନତି ଆଣିବା ଦିଗରେ ସାମ୍ବାଦପତ୍ରର ଭୂମିକା ଆଶାଜନକ ସଫଳତା ହାସଲ କରିପାରୁନାହିଁ । ଗଣତନ୍ତ୍ରରେ ଆଇନ ପ୍ରଣୟନ, ଏହାର କାର୍ଯ୍ୟକାରୀତା ଓ ସଠିକ୍ ଉପାଦେୟତା ଆବଶ୍ୟକ । ଉପରୋକ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟଧାରାରେ ସାଧାରଣତଃ ତିନି ବର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ । ଯଥା- ଜନପ୍ରତିନିଧି ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ଓ ଆଇନଜୀବୀ । ତତ୍ପୂର୍ଣ୍ଣବର୍ଗରେ ଥିବା ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଗଣତନ୍ତ୍ର ପାଇଁ କାଗ୍ରତ ପ୍ରହରୀ ସବୁଟା । ଏଣୁ ଏମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସାଧାନତା ଯେତିକି ଆବଶ୍ୟକ, ତତୋଧିକ ଦାୟିତ୍ୱବୋଧ ଜରୁରୀ । ବେଳେବେଳେ ସମାଜର ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କ ଆପରାଧକୁ ମାନସିକତାକୁ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଲୋକଲୋଚନକୁ ଆଣିବାର ସଫଳ ହୋଇଛନ୍ତି; କିନ୍ତୁ ସେମାନଙ୍କ ରୋଷର ଶିକାର ହୋଇ ମୃତ୍ୟୁବରଣ ମଧ୍ୟ କରୁଥିବା ଦୃଶ୍ୟ ହେଉଛି ।

ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ସଂସଦୀୟ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଜଣେ ଖବରଦାତା ତା'ର ଧର୍ମପାଳନ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧକୁ କେବେ ରାଜଦ୍ରୋହ ବୋଲି କହିହେବ ନାହିଁ । ଶାସନ ଓ ପ୍ରଶାସନର କାର୍ଯ୍ୟଧାରାକୁ ସମାଲୋଚନା କରିବା ବାହା ସେମାନଙ୍କ ତୁଟି ସୁଧାରିବାର ସୁଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି ହୁଏ ତଥା ଏହା ଏକ ଜନମଙ୍ଗଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ମାନ୍ୟତାରେ ସହାୟକ ହୋଇଥାଏ । ଦୁଃଖର ବିଷୟ; ଏବେବି ସରକାରୀ ଦଳର ରୋଷର ଶିକାର ହେଉଛନ୍ତି

ଯୋଗ୍, ଫୋ: ୮୩୭୨୯୩୮୨୫

ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ: ପ୍ରକାର, କାରଣ ଓ ସମାଧାନ

୧. ପ୍ରକାର କ୍ରମାନ୍ୱୟ ଗନ୍ତାୟତ

ପୃଥିବୀର ସବୁଜ ପୃଷ୍ଠାରେ ପରିଚିତ ଜଙ୍ଗଲ ଏକ ନବାବିରୋଧୀ ଗୋଷ୍ଠି ପ୍ରକୃତିକ ସମ୍ପଦ, ଯାହା ପୃଥିବୀ ଓ ଜୀବଜଗତ ପାଇଁ ଅନନ୍ୟ ବରଦାନ । ଏହା ବିବିଧ ଉଦ୍ଭିଦ ଓ ପ୍ରାଣୀମାନଙ୍କର ପ୍ରାକୃତିକ ଆବାସ ସ୍ଥଳ । ଜଳବାୟୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ, ପରିବେଶ ଓ ମୃତ୍ତିକା ସୁରକ୍ଷାରେ ଏହାର ଭୂମିକା ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ । ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟପୂର୍ଣ୍ଣ ମୂଲ୍ୟବୋଧର ପରିପ୍ରକାଶ ମଧ୍ୟ ଜଙ୍ଗଲ ଦ୍ୱାରା ସମ୍ଭବ ହୋଇଥାଏ । ଏବେ କିନ୍ତୁ ଆମମାନଙ୍କ କେତେକ ଅବାସ୍ଥିତ ପ୍ରଭାବ ବିଷ୍ଣୁର ଏବଂ ପ୍ରାକୃତିକ କାରଣ ଯୋଗୁଁ ପୃଥିବୀର ଏହି ଅମୂଲ୍ୟ ସମ୍ପଦ ଘୋର ବିପର୍ଯ୍ୟୟଗ୍ରସ୍ତ । ଏହି ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ମଧ୍ୟରେ ସର୍ବାଗ୍ରେ ରହିଛି ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ ବା ବନାଗ୍ନି ।

ବନାଗ୍ନି ଏକ ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ଓ ବିନାଶକାରୀ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ, ଯାହା ଶୀଘ୍ର ବ୍ୟାପିପାରେ, ଦିନ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିପାରେ ଏବଂ ଉଦ୍ଭିଦ, ବନ୍ୟପ୍ରାଣୀ, ବାସସ୍ଥାନ ଓ ଜୈବ ବିବିଧତାର ପ୍ରଚୁର କ୍ଷତି ଘଟାଏ । ବନାଗ୍ନିର କାରଣ କେତେକାଂଶରେ ପ୍ରାକୃତିକ ଓ କେତେକାଂଶରେ ମନୁଷ୍ୟକୃତ । ବନାଗ୍ନିର ଭୟାବହତା ଓ ବ୍ୟାପକତା ଜଙ୍ଗଲର ଭୂରୂପ ଓ ପାଣିପାଗ ଉପରେ ନିର୍ଭର ହୋଇଥାଏ । ଏହି କାରଣଗୁଡ଼ିକର ପରିବର୍ତ୍ତନ ଯୋଗୁଁ ଭୂମିରେ ନିଆଁ ପ୍ରସ୍ତୁତିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ ଏବଂ ପୃଷ୍ଠାଗୁଁ ଶାନ୍ତିଗୁଁରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ କିମ୍ବା ବିପରୀତ ।

ଭୂମିଗତ ନିଆଁ (ଗ୍ରାଉଣ୍ଡ ଫାୟାର) ଜଙ୍ଗଲ ତଳେ ଥିବା ଜୈବିକ ପଦାର୍ଥର ତପ୍ତ ସ୍ତର ଯେପରିକି ପିତ୍ତ, ମୂଳ ଓ ପରିସାଜ୍ୟକୁ ଅଜିଆ ଆବର୍ତ୍ତନରେ ଜଳେ । ଏଗୁଡ଼ିକ ବହୁତ ଧିରେ ଜଳେ ଏବଂ ମାସ ମାସ ଧରି ରହିପାରେ । ତେଣୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବା କଷ୍ଟକର ହୋଇପଡ଼େ । ପୃଷ୍ଠଗତ ନିଆଁ (ସରଫେସ୍ ଫାୟାର) ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବାଶ୍ପର ଦାଗଙ୍କ ଆବିର୍ଭାବ ପୂର୍ବରୁ ଘାଟଣା ସମ୍ଭବ ହୁଏ । ଏଗୁଡ଼ିକର ବାଶ୍ପ ମହନାୟ ସାଧନାର ଏକ ସମୃଦ୍ଧ ସୋପାନ ହେଲା ଜୀବନକାଳ ମଧ୍ୟରେ

ନିର୍ଗତ କରି 'ସିଡି ଇମ୍ପାନ୍' ସୃଷ୍ଟି କରେ, ଯାହା ପୃଷ୍ଠ ନିଆଁକୁ ଉଚ୍ଚ ତାପତାୟୁତ୍ତ ଶାନ୍ତି ଅଗ୍ନିରେ ପରିଣତ କରି ପରିସଂସ୍କାଳିତ କ୍ଷତି ପହଞ୍ଚାଇଥାଏ । ତାକୁ ଓ ଦ୍ରୁତ ଗତି କରୁଥିବା ନିଆଁ କାଠ ଭିତରେ ଥିବା ଆର୍ଦ୍ରତାକୁ ଉତ୍ତପ୍ତ କରାଏ, ଯାହା ଫଳରେ ବାଷ୍ପ ଜମା ହୁଏ ଆଉ ଗଠି ପାଟିଯାଏ ଏବଂ ବାଷ୍ପାକୃତ ହୋଇ ଜଳିପାରେ । ପ୍ରାୟତଃ ଏହି ଗଠିଗୁଡ଼ିକ 'ପେଡ୍‌ଲ ଗଠ' ଭାବରେ ବିବେଚିତ ହୁଏ ।

ପ୍ରାକୃତିକ କାରଣ ମଧ୍ୟରେ ଶୁଷ୍କ ଗଛତା ଉପରେ ବଜ୍ରପାତ, ଉଚ୍ଚ ତାପମାତ୍ରା, ବାଲ୍ୟୁଷ୍ଣା ଉତ୍ପାଦନ ଏବଂ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ରତା ଦହନ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ । ମାନବ ଅବାସଧାନତାକୁ ମଧ୍ୟ ଏହା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥାଏ, ଯେପରିକି କୌଣସି ବର୍ତ୍ତ୍ୟ ବା ଉତ୍ସାହଗେଷ୍ଠରେ ନିଆଁ କିମ୍ବା ବୈଦ୍ୟୁତିକ ତାର ଘର୍ଷଣ ଘଟାଏ । ଏହାଛଡ଼ା କୃଷି ପାଇଁ ଜମି ସଫା କରିବାର ଅଗ୍ନିର ସହାୟତା ନିଆଯାଏ, ଯାହା ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ବନାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ । ମହୁଳ ଫୁଲ ରାତିରେ ଆପେ ଆପେ ଝଡ଼ିଯାଏ । ସଂଗ୍ରହକୁ ସହଜ କରିବା ପାଇଁ ଶୁଖିଲା ପତ୍ରକୁ ଜାଳି ଦେବାର ଦୃଶ୍ୟ ହେଉଛି, ଯାହା ବନାଗ୍ନି ନିଆଯାଏ, ଯାହା ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ବନାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ । ମହୁଳ ଫୁଲ ରାତିରେ ଆପେ ଆପେ ଝଡ଼ିଯାଏ । ସଂଗ୍ରହକୁ ସହଜ କରିବା ପାଇଁ ଶୁଖିଲା ପତ୍ରକୁ ଜାଳି ଦେବାର ଦୃଶ୍ୟ ହେଉଛି, ଯାହା ବନାଗ୍ନି ନିଆଯାଏ, ଯାହା ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ବନାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ । ପ୍ରାଣୀ ବାଶ୍ପୀ ହୁଏ ଯାଏ, ପ୍ରବଳ ଉତ୍ତାପ ମାଟିର ଜ୍ୱେଳ ପଦାର୍ଥକୁ ଯୋଡ଼ି ଦେଇଥାଏ, ମୃତ୍ତିକା କ୍ଷୟ ଓ ଭୂସ୍ତରର ଆକାଶ ବୃଦ୍ଧି କରିଥାଏ, ଏହାର ପାଇଁ ଜଳପ୍ରତିରୋଧୀ ମାଟି ସ୍ତର ସୃଷ୍ଟି

ଅଧ୍ୟକ୍ଷ (ସେବା ନିବୃତ୍ତ) ରାୟଗଡ଼, ଫୋ: ୮୨୪୯୪୨୫୫୫୧

ସେବା ଓ ସାଧନାର ଅନ୍ତଃସ୍ୱର: କବିଭୂଷଣ ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର

ପ୍ରଫେସର ମଣାସ୍ର କୁମାର ମେହେର
ଯେଉଁମାନେ ଦେଶ ଓ ଜାତି ସକାଶେ ଅସାମାନ୍ୟ ଉତ୍ସାହ ସାକାର କରିଛନ୍ତି 'ସେମାନେ ଆମ ସାହିତ୍ୟ ଜଗତର ଏକ ଏକ ଅନ୍ତର୍ଭୋଗୀ ଅନ୍ତଃସ୍ୱର' ବୋଲି ଅଭିହିତ କରିବା ହେବ ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ପ୍ରକୃତ ସମ୍ମାନ । ସମଗ୍ର ଜୀବନ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଓ ସାହିତ୍ୟର ସେବାରେ ନିଜକୁ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିଯାଇଥିବା ସେହିପରି ଏକ ଅନ୍ତଃସ୍ୱରୀଙ୍କ ପଲ୍ଲବ ପବିତ୍ର ପ୍ରବାହ ହେଉଛନ୍ତି କବିଭୂଷଣ ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶ । ତାଙ୍କ ବ୍ୟାପକ ସାଧନାର କ୍ଷେତ୍ରର ଗୌରବଦାୟ ଅବଦାନର ସନ୍ତୋଷଜନକ ଆଳକ୍ଷ୍ୟ କରିପାରିବା ସାଧାରଣତଃ ଏକାପାରି । କେତେ ପତ୍ରପତ୍ରିକା ସହ ସେ ଜଡ଼ିତ ନଥିଲେ! ପୁଣି ସମ୍ପାଦନା କ୍ଷେତ୍ରରେ ସୃଷ୍ଟି କରିଯାଉଥିଲେ ଅଭିନ୍ନ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ । କେତେ ଯେ ଗ୍ରନ୍ଥର ରଚୟିତା ସେ! ତାଙ୍କ ଜୀବନର ଏକ ପ୍ରତିଚିତ୍ରି ଦିଗଦେଉଛି ନିମ୍ନଲିଖିତ ।
୧୯୧୩ ମସିହାରେ ତାଙ୍କ ସମ୍ପାଦନାରେ ପ୍ରକାଶିତ ହେଲା 'ଉତ୍କଳ ସେବକ' । ଏହା ପରେ 'ସେବା', 'ହାରାଶଶ୍ଚ', 'ସାଧନା' ଆଦିର ସମ୍ପାଦନାରେ ସେ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିପାରିଛନ୍ତି ସ୍ୱକୀୟ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପ୍ରତିଭାଦାୟ

ଚେତନା । ସମ୍ବଲପୁରରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ନବଯୁଗ', ବାମସ୍ୱାରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ଉପହାର', ବାଲୁଙ୍ଗୀରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ହାରାଶଶ୍ଚ ସମାଚାର', ବ୍ରହ୍ମପୁରରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ଓଡ଼ିଆ' ଓ 'ନବନୀ' ଆଦି ବହୁ ପତ୍ରପତ୍ରିକା ସହ ସେ ହୋଇଯାଇଥିଲେ କି ନିବିଡ଼ ଭାବରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ତାହା କଳ୍ପନା କଲେ ତାଙ୍କ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ ଅବଦାନ ଚଳିତ କରିଦେଇପାରେ ଯେକୌଣସି ଚିନ୍ତାଶାଳୀ ସମାଜକର୍ମୀ ।
ଶିକ୍ଷକତାରୁ ତାଙ୍କ କର୍ମମୟ ଜୀବନର ଆରମ୍ଭ । ସାହିତ୍ୟ ସାଧନା ଓ ଧର୍ମାଲୋଚନାରେ ତାହା ହେଲା ପ୍ରବଳ ଗୁଣ । ପତ୍ରିକା ସମ୍ପାଦନାରେ ସାମାଜିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତବନ୍ଧୁତା ପରିଗ୍ରହ କଲା ପରିପଦ୍ମ ଓ ପ୍ରୋକ୍ତକ ରୂପ । ଅଗ୍ନି ପଶ୍ଚିତ ନାଳକଣ୍ଠ ଦାସଙ୍କ ପ୍ରେରଣାରେ ସତ୍ୟବାଦୀ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରକାଶନୀର ପ୍ରାଣୀକୃତ ଏକ ଜାତୀୟ ଚେତନା ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିକାରୀ ହୁଏ ଥିବାରୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ସମ୍ବଲପୁରରେ । କିନ୍ତୁ କେଉଁ ଅନୁଷ୍ଠାନ, କେଉଁ ପତ୍ରିକା କେତେଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚିଷ୍ଟିତ ରହି ପାରିବ ତାହା ପୂର୍ଣ୍ଣରୂପେ ଏକ ଜାତୀୟ ଚେତନା ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିକାରୀ ହୁଏ ଥିବାରୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ସମ୍ବଲପୁରରେ । କିନ୍ତୁ କେଉଁ ଅନୁଷ୍ଠାନ, କେଉଁ ପତ୍ରିକା କେତେଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚିଷ୍ଟିତ ରହି ପାରିବ ତାହା ପୂର୍ଣ୍ଣରୂପେ ଏକ ଜାତୀୟ ଚେତନା ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିକାରୀ ହୁଏ ଥିବାରୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ସମ୍ବଲପୁରରେ । କିନ୍ତୁ କେଉଁ ଅନୁଷ୍ଠାନ, କେଉଁ ପତ୍ରିକା କେତେଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚିଷ୍ଟିତ ରହି ପାରିବ ତାହା ପୂର୍ଣ୍ଣରୂପେ ଏକ ଜାତୀୟ ଚେତନା ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିକାରୀ ହୁଏ ଥିବାରୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ସମ୍ବଲପୁରରେ ।

ସାହିତ୍ୟ ସରିତ୍

ସେ ପ୍ରାୟ ୧୩୫ ଖଣ୍ଡ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଣୟନ କରିପାରିଛନ୍ତି । ତା' ମଧ୍ୟରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ହୋଇ ରହିଛି ଅନ୍ୟ ଭାଷାର ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିକାରୀ ଗ୍ରନ୍ଥର ସାହିତ୍ୟ ଅନୁବାଦ । ଆଉ ଶେଷରେ ଆଉଁସିବେଦ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ରଚନା କରନ୍ତି 'ବୈଦ୍ୟକଳ୍ପ ଦ୍ରୁମ' । 'ପ୍ରବଚନ-ଚରଣ' ନାମକ ପୁସ୍ତକରେ ସଂଗୃହୀତ ହୋଇ ରହିଛି ୩୦୨୪ଟି ପ୍ରବଚନ । ମାତ୍ର ସେସବୁ ଯେ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପୂର୍ଯ୍ୟାଲୋକ ଦେଖିପାରୁ ରହିଛନ୍ତି ବଞ୍ଚିତ ତାହା ଚିନ୍ତା କଲେ ଆମର ଅକ୍ଷମତା ହିଁ ସତ୍ତ୍ୱେ ପ୍ରମାଣିତ ହୋଇଯାଏ । ପ୍ରଫେସର ପ୍ରାଣକୃଷ୍ଣ ପରିଜା ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କଳ୍ପପତ୍ର ଥିବା ବେଳେ କବିକ ପ୍ରତିଭାର ଦ୍ୟୁତି ଆବିଷ୍କାର କରିପାରିଥିବା ଏକକ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକାନ୍ତ ସୁରଗାୟା । ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶଙ୍କ ଅନୁଦିତ 'ଶଙ୍କରାଚାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରଭାବକାଳ' ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ପ୍ରକାଶିତ ହେବା ଥିଲା ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧି ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧିରେ ମଧ୍ୟ ଏକ ଅର୍ଥପୂର୍ଣ୍ଣ ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧି । ବୀର ସୁରେନ୍ଦ୍ର ସାଏଙ୍କ ଜୀବନୀ, ତୁଳସୀ ଦାସଙ୍କ 'ରାମଚରିତ ମାନସ'ର ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାନ୍ତର, 'ଗାନ୍ଧୀବୋଲି',

'ଶୁକ୍ଳ କଥାପୁତ୍ର', 'ଜାତୀୟ ସଂଗୀତ' ଆଦିର ଯଶସା କବିଙ୍କ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ ଅବଦାନର ମହତ୍ତ୍ୱ ହୃଦୟଙ୍ଗମ କରିପାରିଥିଲେ ପାଟଣା ମହାରାଜା । ତେଣୁ ତାଙ୍କ ଦରବାରକୁ ସେ 'କବିଭୂଷଣ' ଉପାଧିରେ ବିଭୂଷିତ ହୋଇ ତଦ୍‌ଦ୍ୱାରା ସର୍ବତ୍ର ହୋଇଛନ୍ତି ପୂଜିତ ଓ ସମ୍ମାନିତ । ବୀର ସୁରେନ୍ଦ୍ର ସାଏଙ୍କ ମହାସଂଗ୍ରାମ କବିଭୂଷଣ ଯେପରି ବର୍ଷନା କରିଛନ୍ତି ତାହାକୁ ହିଁ ପ୍ରାମାଣିକ ତଥ୍ୟ ବୋଲି ଗ୍ରହଣ କରିବା ସର୍ବୋଚ୍ଚ । ଏପରି ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଣୟନ ନିମିତ୍ତ ସେ ଯେଉଁ ଶ୍ରମ ସାକାର କରିଛନ୍ତି, ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜୀବନୀ-ଲେଖକଙ୍କ ପାଇଁ ତାହା ନିଶ୍ଚିତ ଭାବରେ ଅନୁକମ୍ପାୟ ପ୍ରେରଣା ଏକ କ୍ୟୋଚିଷ୍ଟସ ।
ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶଙ୍କ ଆବିର୍ଭାବ ବର୍ତ୍ତମାନର ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାର । ଅଥଚ ବିଗବିଗରେ ତାଙ୍କ ଅବିଶ୍ରାନ୍ତ ଯାତ୍ରା କି ରୋମାଞ୍ଚକର । ଏହା ତାଙ୍କ ବିଷୁତ ଚେତନାର ହିଁ ଏକ ସଂକେତ । କେଉଁ ସୁନିଶ୍ଚାଳିତ ତେଜର ବିକିରଣକୁ ବା ହୃଦୟରେ ସେ ଧାରଣ କରିନାହିଁ! ତାଙ୍କ ସାହିତ୍ୟ ଓ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱର ପୂର୍ଣ୍ଣମଫଳ ନୂତନ ଶତାବ୍ଦୀ ହେଉଛି ଆନ୍ତରିକ ଆହ୍ୱାନ ।

କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ସମ୍ପାଦକ

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପଦକୁ ନେଇ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ଛକାପଞ୍ଜା



କୋଲକାତା, ୬।୫ (ଏକେନ୍ଦ୍ର): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ବିଜେପିର ଐତିହାସିକ ବିଜୟ ପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଚୟନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି।

ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ଏହା ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖରେ ହିଁ ସ୍ପଷ୍ଟ ହେବ ବୋଲି କୁହାଯାଇଛି।

ସ୍ୱସ୍ତ କଲିା ରେଳ ବିଭାଗ

ସାଉଥ କୋଷ୍ଟ ରେଲୱେ ଯୋଗୁ ଓଡ଼ିଶାର କିଛି ହରାଇବାର ନାହିଁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ଏକିଏ): ନୂଆ କରି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ସାଉଥ କୋଷ୍ଟ ରେଲୱେ ଯୋଗୁ ଓଡ଼ିଶାର ଅନେକ କ୍ଷତି ହେଉଛି ବୋଲି ବିଭିନ୍ନ ମତାମତ ଥିବା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି।

ଅଧିକରେ ଥିବା ନୂଆ ରାୟଭରା ତିଭିଜନ ଅଧିକରେ ରହିବ। ତେଣୁ କୌଣସି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଓଡ଼ିଶାର କୌଣସି ଅଞ୍ଚଳ ଅଧିକ୍ରମଣ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଯାତନା ଦିଆଯାଇ ନାହିଁ।

- ଅଧିକ ଶ୍ରୀକାକୁଳମ ଜିଲ୍ଲାରେ ପଲ୍ୟା-ଇକ୍ସପ୍ରେସ୍ ରୁଟ୍ ୭ଟି ସ୍ପେସନ ରହିଛି, ଓଡ଼ିଶାର କିଛି କ୍ଷତି ନାହିଁ
■ ଖଲଟିୟର ଡିଭିଜନ୍ ୬୯୬ କିଲୋମିଟର ରୁଟ୍ ରାୟଭରା ଡିଭିଜନ୍ ଅଧିକରେ ରହିବ

ଓଡ଼ିଶା ପ୍ରଶାସନ ବୋଲି ରେଳ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ପାଳଟା ସ୍ୱାକ୍ଷରଣ ଦିଆଯାଇଛି। ସୂଚନା ଯୋଗ୍ୟ ଯେ ନୂଆକରି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ସାଉଥକୋଷ୍ଟ ରେଲୱେର ବିଭାଗୀୟତା ବିଭିଜନରେ ପଲ୍ୟା ରୁଟ୍ ଲକ୍ଷ୍ୟରେ କୌଣସି ବୃଦ୍ଧିକୁ ଅଧିକାର କରିବନାହିଁ।

NOTICE
By virtue of an affidavit sworn before the Notary Public, Cuttack, dated 05.05.2026 I Batakrushna Sahoo S/o. Achhuti Sahoo resident of At-Aenda, P.O-Sukarapada, Dist- Cuttack, Odisha, Pin- 754209 have changed my name from Babaji Charan Sahoo to Batakrushna Sahoo. Henceforth, I shall be known as Batakrushna Sahoo for all purposes.

ତୃତୀୟ ପୃଷ୍ଠାର ଅବଶିଷ୍ଟାଣ

ଶୁଭେଚ୍ଛୁକ ପିଏସ୍...

ଭିତରେ ଏକାକି ହିଁ ସାକାଶରେ ୫ ଜଣ ନିହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଅକ୍ଷୟଗଣା ପୁଲିସ୍ କୁ ମଧ୍ୟ ଛାଡ଼ି ନାହାନ୍ତି। ସେମାନେ ପୁଲିସ୍ ଉପରେ ମଧ୍ୟ ଗୁଳିମାଡ଼ କରୁଛନ୍ତି।

ସଂଖ୍ୟାରେ...

କହିଛି ଯେ କୌଣସି ବି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଚିକିତ୍ସକ ସମର୍ଥନ ଦିଆଯିବ ନାହିଁ। ତେବେ ଦଳ ଭିତରେ ଏହାକୁ ନେଇ ଗୁରୁତର ମତଭେଦ ଦେଖାଦେଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି।

୮ ଘଣ୍ଟା ପରେ...

ସହଯୋଗୀମାନେ ଅନେକ ଚେଷ୍ଟା କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ତାକୁ ବାହାର କରିବାରେ ବିଫଳ ହୋଇଥିଲେ। ଖବର ପାଇ ଓଡ଼ିଶା ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ।

ଅପରାଧୀଙ୍କ ଆଗରେ...

ଏକାକି ଘଟଣାର ପୁନରାବୃତ୍ତି ନହେବ, ସେଥିପାଇଁ ନବୀନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସୁରକ୍ଷା ଲୋଡ଼ିଛନ୍ତି। ଏହାସହ ନବୀନ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ ସଙ୍କଳ୍ପରେ ମଧ୍ୟ ସ୍ତୋଭ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି।

ବନ୍ଦରଭିତ୍ତିକ ବିକାଶ...

ହାସଲ କରିପାରିବ, ସେଥିପାଇଁ ସମ୍ଭବତଃ ଉପକୂଳ ବିକାଶ ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟ ବୋଲି ଉଲ୍ଲେଖ କରି ଓଡ଼ିଶାକୁ ଦେଶର ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶିକ୍ଷ ଅଭିବୃଦ୍ଧିର ପ୍ରଦର୍ଶକ ରୂପେ ଦର୍ଶାଇଛନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ଦକ୍ଷିଣ-ପୂର୍ବ ଏସିଆ, ପୂର୍ବ ଏସିଆ ଏବଂ ଇଣ୍ଡୋ-ପାସିଫିକ ଅଞ୍ଚଳରେ ଓଡ଼ିଶାର ସାମୁଦ୍ରିକ ବାଣିଜ୍ୟର ବିକାଶ ଉପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଛନ୍ତି।

ନାଟୁଣୀ ସହ...

ଯାଇଥିବା ସାଧକ, ପୁରୀ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦେଶୀୟ ସାମଗ୍ରୀକୁ ବ୍ୟାପିଥିଲା। ନିଆଁର ପ୍ରକୋପ ଏତେ ଥିଲା ଯେ ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ଘର ଭିତରେ ଥିବା ଯୋଗୀ, ଗବିର ପଲିଥିନ୍ ଓ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ ସାମଗ୍ରୀ ଚଳି ଯାଇଥିଲା। ଘର ଭିତରେ ମଧ୍ୟ କିଛି ନାଟୁଣୀ ନିଆଁ ଲାଗି ଯାଇଥିଲା।

୨୦୦ ଟଙ୍କା ବଢ଼ିପାରେ...

ଡିନ ବର୍ଷର ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଶ୍ରରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ଏପରିସ୍ଥିତିରେ ଦେଶରେ ଏକପ୍ରକାର ସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି। ଚଳିତବର୍ଷ ଏପ୍ରିଲରେ ଶୁଣ୍ଠ ବଜାରରେ ଏକଏକକ ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରତି ଏକଏକକ ୧୨-୧୮ ଟଙ୍କା ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି, ଯାହା ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆ ସଂସ୍କୃତି ପୂର୍ବରୁ ୧-୧୧ ଟଙ୍କାରୁ ଅଧିକ।

OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER CHILIKA WILDLIFE DIVISION, AT / PO- BALUGAON, DIST.- KHORDHA - 752030

TENDER CALL NOTICE FOR SELECTION OF AN AGENCY FOR HIRING OF COMMERCIAL LIGHT VEHICLES

GOVERNMENT OF ODISHA "e" PROCUREMENT NOTICE Bid Identification No: SE, KIP- (KCD-I)-02/2026-27

OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER ATHGARH FOREST DIVISION, ATHGARH

OFFICE OF THE REGULATED MARKET COMMITTEE, KORAPUT

AFFIDAVIT I, KUPPILI SRIVIDYA, W/o KUPPILI SANTOSH JANKIRAM

AFFIDAVIT By virtue of an affidavit (SI No. A/20, dtd-27/02/2026) sworn before The Executive Magistrate, Panposh at Uditnagar, Rourkela, I, Avinas Tanty

AFFIDAVIT By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide No. - 790, dated 05.05.2026, I, KAMALU CHOUDHURY

DOCUMENT LOST ମୁଁ, କୁଶ ପ୍ରସାଦ ମହଲ, ପିତା- ସ୍ୱର୍ଗତ ଅଭ୍ୟାସନ ମହଲ, ଠିକଣା- ଖୁର୍ଦ୍ଧା ନ-୨୬, ପି.ଓ./ପି.ଏସ୍- ରଘୁପୁର, ବାରିପଦା, ବିଜୁ-ମିଶ୍ରପୁର, ଓଡ଼ିଶା, ଏଠାରେ ଶୋଷାଣ କରୁଛି ଯେ, ସବ-ରେକର୍ଡିଂ, ବାରିପଦା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣରେ ମୌଜା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣରେ ଉପସ୍ଥାପନ, ଖଣା ନ-୨୬, ପୁରୀ, ଓଡ଼ିଶା, ବିକ୍ରୟ ଦଲିଲ ନ-୧୫, ଖଣ-୧ ପୃଷ୍ଠା ୧୫୯ ଓ ୧୬୨ ତାରିଖ- ୩୧/୦୧/୧୯୯୨ରେ ପଞ୍ଜିକୃତ ବିକ୍ରୟ ଦଲିଲ, ଗୋ ଉତ୍ତର ବାବଦରେ ଖୁର୍ଦ୍ଧା ନ-୨୬ ରେ ୨୫/୦୪/୨୦୨୬ରେ ହଜିରାଯାଇଛି।

AFFIDAVIT By virtue of an affidavit (CF No.113, dtd- 05/05/2026) sworn before The Executive Magistrate, Bhubaneswar, I, Rajendra Prasad Satpathy

AFFIDAVIT By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide no - 791, dated. 05.05.2026, I, RICHA GUPTA, D/o - Santosh Prasad Gupta

AFFIDAVIT By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide no - 789, dated 05.05.2026, I, BHAGABATI BHATRA, W/o - Raghu Bhatra

ଭୁବନେଶ୍ୱର

ସ୍ମିତ



ଜରାଜୀର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଜିଜିପି କଲୋନୀ ପାର୍କ

ପିଇବା ପାଣି ନାହିଁ କି ଶୈତାଳୟ

ବନଫୁଲ ପୁସ୍ତକ ପର୍ବ ଓ କବିତା ସନ୍ଧ୍ୟା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ):

ପାର୍କ ପରିସରରେ ଗଭା ହୋଇଛି କୁଡ଼ୁ କୁଡ଼ୁ ଆବଳୀ। ଅନାବନା ପାସରେ ଭରି ହୋଇଛି ପାର୍କ ପରିସର। ଭାଙ୍ଗି ପଡ଼ିଛି ଖେଳଣା ଉପକରଣ। ଏହାସହିତ ପାର୍କରେ ନାହିଁ ପିଇବା ପାଣିର ସୁବିଧା। ପାର୍କରେ ରହିଛି ଅଧ୍ୟାଧୁନିକ ବ୍ୟାୟାମ ସାମଗ୍ରୀ, ହେଲେ ଏହା ବ୍ୟବହାରଯୋଗ୍ୟ ହୋଇ ରହିନାହିଁ ଗ୍ରୀଷ୍ମ

ଭାଙ୍ଗି ପଡ଼ିଛି ଖେଳ ସାମଗ୍ରୀ

ରତ୍ନରେ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ପାର୍କକୁ ଯିବାକୁ ବି ଭୟ କରୁଛନ୍ତି। କାରଣ ଜରାଜୀର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ପଡ଼ି ରହିଛି ରସୁଲଗଡ଼଼ିଏଟ ଓ ନମ୍ବର-୧୮ ଅଧୁନରେ ରହିଥିବା ଜିଜିପି କଲୋନୀ ପାର୍କ। ପାର୍କରେ ନାହିଁ ପିଇବା ପାଣିର ସୁବିଧା ନାହିଁ ଅଧିକ ଶୈତାଳୟ।



ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ଅବସରବିନୋଦନ ଓ ପିଲାମାନଙ୍କ ଖେଳିବା ନିମନ୍ତେ ୧୦୧୩ ମସିହାରେ ଏହି ପାର୍କ ନିର୍ମାଣ କରାଯାଇଥିଲା। ୬ଲକ୍ଷ ୮୯ ହଜାର ୯୧୫ ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ଅଟେକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ପୁନର୍ବାର ୨୦୧୬ ମସିହା ସାନ୍ଧ୍ୟାକାଳୀନ ଦିବସ

ଅବସରରେ ଅନୁତ ଯୋଜନା ମାଧ୍ୟମରେ ପାର୍କର ଉନ୍ନତିକରଣ ନିମନ୍ତେ ୨୨ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଖର୍ଚ୍ଚ କରାଯାଇ ବିଭିନ୍ନ ଉନ୍ନତିମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟ ସହ ହୋଇଥିବା ପକ୍ଷରେ ଉଲ୍ଲେଖ ରହିଛି। ହେଲେ ପାର୍କରେ କୌଣସି ଉନ୍ନତିକରଣର ଚିହ୍ନ ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁନଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ପାର୍କର ପାଚେରୀରୁ ରଙ୍ଗ ଧୋଇ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ଗେଟ ଦିନ ରାତି ମୁକ୍ତ।

ରହୁଥିବା ଅଧ୍ୟାପାଳିକ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ପ୍ରବେଶ ଉପରେ କଟକଣା ନାହିଁ। ସଞ୍ଜ ହେଲେ ଏଠାରେ ବିଭିନ୍ନ ଅଧ୍ୟାପାଳିକ କାର୍ଯ୍ୟ ସହ ନିଶାଦିକ ଆଣ୍ଡ ଜପୁଥିବା ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ହେଲେ ପାର୍କରେ କୌଣସି ଉନ୍ନତିକରଣର ଚିହ୍ନ ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁନଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ପାର୍କର ପାଚେରୀରୁ ରଙ୍ଗ ଧୋଇ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ଗେଟ ଦିନ ରାତି ମୁକ୍ତ।

ସେହିପରି ଶୈତାଳୟ କଥା ନକହିବା ଭଲ। କାରଣ ପାର୍କରେ ଶୈତାଳୟ ବି ନାହିଁ। ଚେଷ୍ଟା ମହିଳାମାନେ ପାର୍କକୁ ଆସିବାକୁ ମନବଳାଉନଥିବା କହିଛନ୍ତି। ସବୁଠୁ ବଡ଼କଥା ହେଉଛି ଖରାଦିନରେ ପ୍ରାତଃ ସ୍ନାନ ହେଉ ଅବା ସନ୍ଧ୍ୟା ସମୟରେ ପରିବାରଙ୍କ ସହ ହେଉ ଅବା ନିଜ ଛୋଟ ପିଲାଙ୍କୁ ପାର୍କ ପରିସରକୁ ନେବାକୁ ଭୟ କରୁଛନ୍ତି ଅଭିଭାବକମାନେ। ଏନେଇ ବାରମ୍ବାର ଅଭିଯୋଗ କରାଯିବା ପରେ ବି କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯାଇ ନଥିବା ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ଏସମ୍ପର୍କରେ ଓଡ଼ିଶା କର୍ପୋରେଟର ସିଏସ୍ ବେହେରା କହିଛନ୍ତି ଯେ, ମୋର କାର୍ଯ୍ୟକାଳ ଆରମ୍ଭ ହେବା ଦିନରୁ ପୁଁ ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଉନ୍ନତିମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଛି। ପାର୍କର ଉନ୍ନତିକରଣ ନିମନ୍ତେ ମଧ୍ୟ ଯୋଜନା ରହିଛି। ଏପାଇଁ ପୂର୍ବରୁ ଟେଣ୍ଡର ହୋଇଥିଲା କିନ୍ତୁ ଅର୍ଥ ମାଷ୍ଟର ହୋଇନଥିବାରୁ କାମ ହୋଇପାରିନାହିଁ। ପୁନର୍ବାର ଟେଣ୍ଡର ହୋଇଛି। ପାର୍କର ଉନ୍ନତିକରଣ ନିମନ୍ତେ ପ୍ରାୟ ୩୦ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ଅଟେକରେ ସମସ୍ତ ସୁବିଧା ଉପକରଣ ହେବ। ଖୁବଶୀଘ୍ର ଟେଣ୍ଡର ହୋଇ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହେବ।



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ଓଡ଼ିଶାର ଅନ୍ୟ ପ୍ରକାଶନୀ ସଂସ୍ଥା 'ବନଫୁଲ' ପକ୍ଷରୁ ଆୟୋଜିତ ବନଫୁଲ ପୁସ୍ତକ ପର୍ବ ଓ କବିତା ସନ୍ଧ୍ୟା ଯୁନିଟ୍ ୯ ସ୍ମିତ ବୁକ୍ ମସିର ସଭା କକ୍ଷରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଲେଖକ ରବି ପଣ୍ଡାଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଏହି ଉତ୍ସବରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ କବି ନିହାର ରଞ୍ଜନ ଦାଶ, ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଡକ୍ଟର ଅଭୟ ବେହେରା, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଆଲୋଚକ ହିମାଂଶୁ ପରିଡ଼ା ଯୋଗ ଦେଇ ତରୁଣ କବି ଶୁଭ କଲ୍ୟାଣ ଦାସଙ୍କ ପ୍ରଥମ କବିତା 'ଶବ୍ଦାୟନ' ଉନ୍ମୋଚିତ କରିଥିଲେ। ଉତ୍ସବକୁ ଡ. ଶର୍ମିଷ୍ଠା ମହାପାତ୍ର ସଞ୍ଚାଳନ କରିଥିବା ବେଳେ ବନଫୁଲର ପ୍ରକାଶକ ପବିତ୍ର ବ୍ରହ୍ମପୁତ୍ର ନାୟକ ସାଗତ ଅଭିଭାଷଣ ରଖିଥିଲେ। ଦ୍ୱିତୀୟ ଅଧିବେଶନରେ ବନଫୁଲ କବିତା ସନ୍ଧ୍ୟା କବି ବିଜୟ ମହାପାତ୍ରଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ରାଉତ (ଅରୁପ) ଓ କବି ରଞ୍ଜିତରେଖା ବେହେରା ଓ ମଧୁମିତା ମିଶ୍ର ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ।

ଶ୍ରମିକ ସମୃଦ୍ଧି କର୍ମଶାଳା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ଆହ୍ମନ-ଏଚ୍ ଓ ସିପିଏସ୍ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ରେଡକ୍ରସ୍ ଭବନରେ ଶ୍ରମିକ ସମୃଦ୍ଧି କର୍ମଶାଳା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଦତ୍ତୋପାଧ୍ୟକ୍ଷ ଡାକ୍ତରୀ ରାମକୃଷ୍ଣ ଶ୍ରମିକ ଶିକ୍ଷା ବୋର୍ଡର ଆଞ୍ଚଳିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଡ. ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ମିଶ୍ର, ଓଡ଼ିଶା ଅଣସଙ୍ଗଠି ଶ୍ରମିକ ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ବୋର୍ଡର ସଭ୍ୟ ମହେନ୍ଦ୍ର ପରିଡ଼ା, ଆହ୍ମନ-ଏଚ୍ରେ ସହଯୋଗୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଦେବବ୍ରତ ପାତ୍ର, ଆହ୍ମନ-ଏଚ୍ରେ ଶୁଭେନ୍ଦ୍ର ରାୟ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ସ୍ତ୍ରୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଶିବ ସାହୁ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।



ରାଜ୍ୟରେ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଆଇନ ଶୁଖିଲା ପରିସ୍ଥିତି ନେଇ ଲୋକମତ ପିଏମଜିରେ ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସର ପ୍ରତିବାଦ

ଛାତ୍ର ସଂସଦ ନିର୍ବାଚନ ଘୋଷଣା ଦାବିରେ ଏଆଇଡିଏସଓର ବିକ୍ଷୋଭ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ଅଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ତଥା ଛାତ୍ର ବିରୋଧୀ ଆଦର୍ଶ ଆନ୍ଦୋଳନ ବିଧି ପ୍ରତ୍ୟାହାର କରିବା, କ୍ୟାମ୍ପସ୍ ମଧ୍ୟରେ ସୁସ୍ଥ ଶୈକ୍ଷିକ ଓ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ପରିବେଶକୁ ସୁରକ୍ଷା ଦେବା ଏବଂ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷ ଛାତ୍ର ସଂସଦ ନିର୍ବାଚନ ଘୋଷଣା କରିବା ଦାବିରେ ମଙ୍ଗଳ ବାର ଏଆଇଡିଏସଓ ପକ୍ଷରୁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ସ୍ଥିତ ବୁକ୍ ମସିରରେ ଏକ ଛାତ୍ର କନଭେନ୍ସନ୍ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହାକୁ ରାଜ୍ୟ ସଭାପତି ସୋମନାଥ ବେହେରା, ଉପ-ସଭାପତି ଭାଗ୍ୟବତୀ ଦାସ, ନିରୁପମା ବେହେରା ଏବଂ ସୁନିଲ ଲୋଇଙ୍କୁ ନେଇ ଗଠିତ ଏକ ସଭାପତି ମଣ୍ଡଳୀ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଏଫାଏଚ୍ ମଣ୍ଡଳୀ ସଦସ୍ୟ ତରୁଣସେନ ନାୟକ ଛାତ୍ର କନଭେନ୍ସନ୍ର ଭିତ୍ତି ପତ୍ର ପାଠ କରିଥିଲେ। ଉକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରାକ୍ତନ ପ୍ରଫେସର ତଥା ବିଶିଷ୍ଟ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ପ୍ରଫେସର



ଡ. ବିରେନ୍ଦ୍ର ନାୟକ, ସାରା ଭାରତ ଶିକ୍ଷା ବଞ୍ଚାଅ କମିଟି ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ସମ୍ପାଦକ ସୁଦାସ ନାୟକ ଅତିଥି ବକ୍ତା ଭାବେ ନିଜର ବକ୍ତବ୍ୟ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ। ରାଜ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀତା ସଭ୍ୟ ପପୁ ରାଉତ, ଏଆଇଏସ୍‌ସି ପକ୍ଷରୁ ଛାତ୍ର ନେତ୍ରୀ ରିକି ସାହୁ ମୁଖ୍ୟ ନିଜର ବକ୍ତବ୍ୟ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ। ରାଜ୍ୟ ସମ୍ପାଦକ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ ରଥ, ରାଜ୍ୟ ଅଧିକ ସମ୍ପାଦକ ନସିମ ସରକାର, ମଧୁସୂଦନ

ଭାରତୀୟ କିଷାନ ସଂଗଠନର ଚାଷୀ ସୁରକ୍ଷା ଅଭିଯାନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ମଲିକଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଆୟୋଜିତ ଭାରତୀୟ କିଷାନ ସଂଗଠନର ଚାଷୀ ସୁରକ୍ଷା ଅଭିଯାନ ଓଡ଼ିଶା ଶାଖାର ସମ୍ମିଳନୀକୁ ବିଶ୍ୱଭାରତୀୟ ସଭାପତି ତଥା ପୂର୍ବତନ କେନ୍ଦ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ବ୍ରଜ କିଶୋର ତ୍ରିପାଠୀ ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରିଥିଲେ। କେନ୍ଦ୍ର ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଚାଷୀମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଅବହେଳା କରୁଥିବା ନେଇ ସଂଗଠନ ଶୋର ପ୍ରକାଶ କରିବା ସହ କରୋନା ଭଳି



ମହାମାରୀ ସମୟରେ ଚାଷୀମାନେ କୃଷି ଉତ୍ପାଦନକୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବଞ୍ଚାଇ ରଖି ଦେଶର ଆର୍ଥିକ ବିକାଶକୁ ଗତିଶୀଳ କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ୟା ଦିଗରେ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯାଇ ନଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ସରକାରୀ ହିସାବରେ ବର୍ତ୍ତମାନ ରାଜ୍ୟରେ ଚାଷୀ ପରିବାର ମାସିକ ଆୟ ମାତ୍ର ୫-୧୧୨ ଟଙ୍କା। ଯାହାକି ଦେଶର ବିତୀୟ ସର୍ବନିମ୍ନ। ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଆୟ କରୁଥିବା ୫ଟି ରାଜ୍ୟର ଚାଷୀ ପରିବାରର ହାରାହାରି ମାସିକ ଆୟ ୧୮,୮୯୯ ଟଙ୍କାରୁ ୨୯,୩୪୮ ଟଙ୍କା। ଆମ ରାଜ୍ୟର ଚାଷୀ ଅନ୍ୟ ରାଜ୍ୟର ଚାଷୀମାନଙ୍କ ସମକକ୍ଷ ହେବାର କୌଣସି ସୂଚନା ନାହିଁ। କାରଣ ଆମ ରାଜ୍ୟରେ ଚାଷୀ ଧାନଚାଷ କରି

ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଶିକାର ହେବା ସହ ଉତ୍ପାଦିତ ଧାନ ବିକ୍ରି ପାଇଁ ୬ କିଲୋରୁ ୧୨ କିଲୋ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କଟନି ଛଡ଼ି ନିମାଧ୍ୟରେ ମିଳିନାହିଁ ବାହା ଶିକାର ହେଉଛନ୍ତି। ଏପଟେ ଅର୍ଥକାରୀ ପକ୍ଷକୁ କିରାକୁ ସୁରାକ୍ଷା, ଶାନ୍ତ ଉତ୍ପାଦନ, ଟେକ୍ସଟାଇଲ୍ କାମ ଆଦି ନଥିବାରୁ ଚାଷୀମାନେ ଅଧାଦି ବିକ୍ରିର ଶିକାର ହେଉଛନ୍ତି। ତେବେ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଘୋଷଣା କରିଥିବା ୫୮ଟି ଶାନ୍ତକରଣ ପ୍ରସ୍ତାବ କୁଆଡ଼େ ଗଲା ବୋଲି ସଂଗଠନ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି। ରାଜ୍ୟରେ ଦେଶର ୧୦%ରୁ ଅଧିକ ଜଳସମ୍ପଦ ଉପସ୍ଥାପନ ହେଉ ନଥିବାରୁ ଜଳିକ୍ଷୁଦ୍ର ଜଳସେଚନା ସୁବିଧା ହୋଇପାରିନା ନାହିଁ। ତେଣୁ ରାଜ୍ୟରେ ଚାଷୀମାନେ ମିଳିତ ସଂଗ୍ରାମ କରିବାକୁ ଶ୍ରୀ ତ୍ରିପାଠୀ ଓ ଅନ୍ୟବକ୍ତାମାନେ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ସଂଗଠନର ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ସଭାପତି ଭାବେ ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ମଲିକ ଓ ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ଭାବେ ପୂର୍ବତନ ସଂସଦ ଓ ବିଧାୟକ ରବି ନାରାୟଣ ମହାପାତ୍ର ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଥିଲେ। ଏହି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଓଡ଼ିଶା କୃଷକ ସଭା ତଥା ସିପିଆଇ(ଏମ) ନେତା ଅଭିରାମ ବେହେରା, ଅକ୍ଷୟ ଭାରତୀୟ କୃଷକ ସଭାର ଉପସଭାପତି ଅଶିଷ୍ଟ କାନ୍ତନଗୋ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବା ବେଳେ ସଂଯୋଜନା କରିଥିଲେ ପ୍ରଭାସ ସାମନ୍ତରାୟ।

ଏଫ୍‌ଏସ୍‌ସି କର୍ମକର୍ତ୍ତା ସମୃଦ୍ଧି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ଖାର୍ବି ଲକ୍ଷ୍ୟବ୍ୟାପନା ଦ୍ୱାରା ଅନୁଭବିତ ଫର୍ମ୍ ଆଣ୍ଡ ଫିଟନେସ୍ ଖାର୍ବି କ୍ଲବ୍ ସାହାଯ୍ୟ, ସଚେତନତା, ରକ୍ତଚାପ ଶିବିର, ବୃକ୍ଷରୋପଣ ଭଳି ମହତ କାର୍ଯ୍ୟ କରି ସେବା ମନୋଭାବ କ୍ଷେତ୍ରରେ ନିରନ୍ତର ପ୍ରଦେଶ୍ୱା କାରୀ ରଖି ନିଷ୍ଠାପୂର୍ଣ୍ଣ ଚେତନାର ବିନାତ ସାକ୍ଷର ପ୍ରତିପାଦନ କରିଥିବାରୁ 'ପୁଣ୍ୟ ଉତ୍କଳ ଫାଉଣ୍ଡେସନ୍' ପକ୍ଷରୁ ଏହାର ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବରେ ଓଡ଼ିଶା ଗବେଷଣା କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରୋକ୍ସାୟର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ଏହି ଉତ୍ସବରେ ପଦ୍ମବିଭୂଷଣ କଳିଙ୍ଗ ରତ୍ନ ସୁବର୍ଣ୍ଣନ ସାହୁ, ଅନୁଷ୍ଠାନର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମନୋରଞ୍ଜନ ମହାପାତ୍ର, ଡ. ଲଳିତ ଦାସ, ଡ. ଅରୁଣ କୁମାର ରଥ, ଡ. ବିପିନ ବିହାରୀ ମିଶ୍ର, ଡ. ପ୍ରଭାସ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ ଏବଂ ପ୍ରଫେସର ଦାସ ବେନହୁର ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଏଫ୍‌ଏସ୍‌ସି କର୍ମକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ସମୃଦ୍ଧିତ କରିଥିଲେ। ଏଫ୍‌ଏସ୍‌ସି ପ୍ରାକ୍ତନ ସଭାପତି ଅଶିଷ୍ଟ ଫଳନାୟକ, କେଦାର ଫଳନାୟକ, ଉପସଭାପତି ଜୟସୂର୍ଯ୍ୟ କାନ୍ତନଗୋ, ରିକ୍ଷା ଖାନ, ପ୍ରଦୀପ ମହାନ୍ତି, ଡ. ରଞ୍ଜିତ ରଥ, ଅବତୁଳ ସମାପ୍ତମାନ ଏବଂ ପ୍ରଭାତୀ ସାହୁଙ୍କୁ ସମୃଦ୍ଧିତ କରାଯାଇଛି ବୋଲି ସଭାପତି ସୁଧାକର ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ସମ୍ପାଦକ ସୌଭାଗ୍ୟ ନାୟକ ଏବଂ ଗଣମାଧ୍ୟମ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ଚକ୍ରଧର ମାଝା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

ଜୟପୁରଠାରେ ବିଧାନସଭାର କମିଟି ସଂକ୍ରାନ୍ତ ବୈଠକ

ଆଗାମୀ ଦିନରେ କମିଟିଗୁଡ଼ିକୁ ଅଧିକ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ କରାଯିବ: ସୁରମା ପାଠୀ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ବିଧାନସଭାର କମିଟି ସମ୍ପର୍କିତ ଦ୍ୱିତୀୟ ସର୍ବଭାରତୀୟ ବାରମ୍ବତି ସମ୍ମିଳନୀ ଜୟପୁରଠାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଅଛି। ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶର ବାରମ୍ବତି ନରେନ୍ଦ୍ର ସିଂ ତୋମାରଙ୍କ ଅଧକ୍ଷତାରେ ତଥା ରାଜସ୍ଥାନ ବିଧାନସଭା ଦ୍ୱାରା ଆୟୋଜିତ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶ, ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ, ରାଜସ୍ଥାନ, ହିମାଚଳପ୍ରଦେଶ, ସିକିମ୍ ସମେତ ଓଡ଼ିଶାର ବାରମ୍ବତି ସୁରମା ପାଠୀ ଏହି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଲୋକସଭାର ବାରମ୍ବତି ଓମ୍ ବିଲ୍‌କା ଦ୍ୱାରା ୬ଟି ବିଧାନସଭାର ବାରମ୍ବତିକୁ ନେଇ ଏହି କମିଟି ଗଠନ କରାଯାଇଛି। ଆଗାମୀ ଦିନରେ କମିଟି ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରିବା ପାଇଁ ଅଧିକ ଶୁଖିଳିତ କରାଯାଇଛି ବୋଲି ସଭାପତି ସୁଧାକର ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ସମ୍ପାଦକ ସୌଭାଗ୍ୟ ନାୟକ ଏବଂ ଗଣମାଧ୍ୟମ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଗ୍ରହଣ କରିବେ।



ଏହି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଯୋଗ ଦେଇ ବାରମ୍ବତି ଶ୍ରୀମତୀ ପାଠୀ ନିଜର ମତ ଉପସ୍ଥାପନ କରି କହିଲେ ଯେ, ଭାରତର ସଂସଦୀୟ ପରମ୍ପରା ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ବିଧାନସଭା ହେଉଛି ଗଣତନ୍ତ୍ରର ମନ୍ଦିର। ଏଥି ପ୍ରତି ଜନସାଧାରଣଙ୍କର ଆଶା- ଭାବରେ ସମ୍ମାନ କରାଯାଇପାରିବ ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ଏହି କମିଟି ନୀତିଗତ ଭାବରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଗ୍ରହଣ କରିବେ।

ଆଦିବାସୀଙ୍କ ମର୍ଯ୍ୟାଦା ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ସୁପ୍ରିମକୋର୍ଟକୁ କଂଗ୍ରେସର କୃତଜ୍ଞତା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ): ରାଜନୀତି ଓ କଳାହଣ୍ଡି ଜିଲ୍ଲାର ଆଦିବାସୀ ଓ ଦଳିତ ଲୋକେ ସେଠାକାର ଖଣିକ ସମ୍ପଦ, ପାହାଡ଼ ଜଙ୍ଗଲ ଏବଂ ଆଦିବାସୀ ଗ୍ରାମର ଭୂସମ୍ପଦକୁ ବିନା ଗ୍ରାମସଭାରେ ସେଆଇନ ଭାବେ ବେଦାନ୍ତ କମ୍ପାନୀ ଓ ଅନ୍ୟ ଶିଳ୍ପପତିମାନଙ୍କୁ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ହସ୍ତାନ୍ତର ଓ କିଲି ଦେବା ପ୍ରତିବାଦରେ ଆନ୍ଦୋଳନ କରୁଛନ୍ତି। ସେପ୍ରସଙ୍ଗେ ସ୍ଥାନୀୟ ପ୍ରଶାସନ ସଂପୃକ୍ତ କମ୍ପାନୀର ହାତବାରଣ ହୋଇ



ନାହିଁ ଆଦିବାସୀ ଆନ୍ଦୋଳନକାରୀମାନଙ୍କ ବିରୁଦ୍ଧରେ ପୁଲିସ୍ କେସ୍ ଚଳାଇଛନ୍ତି। ପକ୍ଷରେ ସଂପୃକ୍ତ ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କୁ ଗିରଫ କରି କୋର୍ଟ ଚାଲାଣ କରାଯାଇଥିଲା। ରାଜନୀତି ଅଧିକାରରେ ବେଳୁ ଆବେଦନ କରିବାରୁ ସଂପୃକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଅଧିକାର ଆଦିବାସୀ ଆନ୍ଦୋଳନକାରୀମାନଙ୍କ ବେଲୁଖାରଣ କରିଥିଲେ ଏବଂ ପରବର୍ତ୍ତୀ ଅବସ୍ଥାରେ ଉଚ୍ଚନିୟାୟକରେ ଆବେଦନ ବେଳୁ ଆବେଦନ କରିବାରୁ ଉଚ୍ଚନିୟାୟକ ପକ୍ଷରୁ ସଂପୃକ୍ତ କମ୍ପାନୀର ହାତବାରଣ ହୋଇ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଉପରେ ଆବେଦନ କରାଯାଇଥିଲା।

ଭୁକ୍ତ ମାସ ଯାଏଁ ସର୍ବୋଚ୍ଚ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ଗତବର୍ଷ ମେ ମାସ ୯ ତାରିଖରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଥିଲେ। ଏହା ଆନ୍ଦୋଳନକାରୀମାନଙ୍କ ମାନବିକ ଅଧିକାରକୁ ଖୁଣ୍ଟି କରୁଥିବା ଅଭିଯୋଗ କରି ଦେଶର ସର୍ବୋଚ୍ଚ ନିୟାୟକ ସ୍ୱରୂପ ହୋଇଥିଲେ। ମାନନୀୟ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ନିୟାୟକ ସତ୍ୟ କବିଜେଦୁ (ଫାଞ୍ଚାନ) ନେଇ ବିଚାର ପାଇଁ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ସୋମବାର ଏହି ମାମଲାକୁ ବିଚାର କରି ଏକ ଭିତ୍ତିକ ବେଞ୍ଚରେ ମୁଖ୍ୟ ବିଚାରପତି, ଜଷ୍ଟିସ୍ ସୂର୍ଯ୍ୟକାନ୍ତ ଓ ଜଷ୍ଟିସ୍ ଜୟମାଳ ବାଗ୍‌ଚି ଓଡ଼ିଶାର ଉଚ୍ଚନିୟାୟକଙ୍କ ଉକ୍ତ ଆବେଶକୁ ରଦ୍ଦ କରିଛନ୍ତି। ସର୍ବୋଚ୍ଚରେ ଏହି ଆବେଶ କେବଳ ଓଡ଼ିଶା ନିୟାୟକ ପାଇଁ ଉଚ୍ଚତମ ନିୟାୟକଙ୍କ ରଦ୍ଦ ନ କରି ଦେଶର ସମସ୍ତ ନିୟାୟକଙ୍କ ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଦିଆଯାଉଥିବା ଆବେଶ ଉପରେ ସଚେତନ ରହିବା ସହ ଆଦିବାସୀ ଓ ଦଳିତ ତଥା ଗରିବ ଲୋକଙ୍କ ମୌଳିକ ଅଧିକାର ଓ ବ୍ୟକ୍ତି ମର୍ଯ୍ୟାଦାର ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ଗାଢ଼ ଲାଜନ୍ ତିଆରି କରିଛନ୍ତି। ଦେଶର ଅନୁସୂଚିତ ଜାତି ଓ ଜନଜାତି ତଥା ଗରୀବ ଲୋକଙ୍କ ମାନବିକ ଅଧିକାରର ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ଅଧିକାରଗୁଡ଼ିକ ଅଧିକ ଶୁଣିକାର ଓ ସହବାନ ହେବା ଉଚିତ ବୋଲି ଉଚ୍ଚତମ ନିୟାୟକ ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷାରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟର ଆଦିବାସୀ, ଦଳିତ ଓ ଗରୀବ ଲୋକଙ୍କ ବ୍ୟକ୍ତି ମର୍ଯ୍ୟାଦା ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ଉଚ୍ଚତମ ନିୟାୟକଙ୍କ ଉପରେ ଆବେଶକୁ ଆବେଶରେ ରିଟ୍ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବାରୁ ଓଡ଼ିଶା ପ୍ରଦେଶ କଂଗ୍ରେସ କମିଟି ପକ୍ଷରୁ ଧନ୍ୟବାଦ ଦିଆଯାଇଛି।

ଟିପି ସ୍କିମ୍ ୪୨-୪୫ ଜମି ପୁନର୍ଗଠନ ପାଇଁ ଡ୍ରାଫ୍ଟ୍ ଏସ୍‌ଓପି ଜାରି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିପ):

ଭୁବନେଶ୍ୱର ଉନ୍ନୟନ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ (ବିଡିଏ) କୋର୍ଡ-୪ ଅନ୍ତର୍ଗତ ସହର ପରିକଳ୍ପନା ଯୋଜନା ଟିପି ସ୍କିମ୍ ୪୨ ଓ ୪୫ ଅଧୀନରେ

■ ସହଜ ହେବ ବିଡିଏ ପୁନଃଗଠନ ପ୍ରକ୍ରିୟା

■ ସର୍ବାଧିକ ଲାଭ ପାଇବେ ଜମି ମାଲିକ

ଜମି ପୁନଃଗଠନ ପାଇଁ ଏକ ଡ୍ରାଫ୍ଟ୍ ସ୍ୱାଖ୍ୟାତ ଅପରେଟିଂ ପ୍ରୋସିଡ୍ୟୁର (ଏସ୍‌ଓପି) ପ୍ରକାଶ କରିଛି। ଏହି ପଦକ୍ଷେପର ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଏକ ସ୍ୱଳ୍ପ ଏବଂ ଭଲ ବ୍ୟବସ୍ଥା ତିଆରି କରି ପୁନଃଗଠିତ ଭୂସମୃଦ୍ଧି ସହଜ କରି ପୁନଃଗଠିତ ପୁନର୍ଗଠନ ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ସହଜ କରିବା, ସହଜ କରିବା ଏବଂ ସମାନ ଭାବରେ ବଣ୍ଟନ କରିବା ସହ ଜମି ମାଲିକଙ୍କୁ ସର୍ବାଧିକ



ଲାଭ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଏହି ଏସ୍‌ଓପି ବିକଳ୍ପ, କାମ୍ପାପୁର, ଭଗବାନପୁର, ବାଲିଆପଡ଼ା ଏବଂ ପାତ୍ରପଡ଼ା କମିଟି। ଏହି ପଦକ୍ଷେପର ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଏକ ସ୍ୱଳ୍ପ ଏବଂ ଭଲ ବ୍ୟବସ୍ଥା ତିଆରି କରି ପୁନଃଗଠିତ ଭୂସମୃଦ୍ଧି ସହଜ କରି ପୁନଃଗଠିତ ପୁନର୍ଗଠନ ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ସହଜ କରିବା, ସହଜ କରିବା ଏବଂ ସମାନ ଭାବରେ ବଣ୍ଟନ କରିବା ସହ ଜମି ମାଲିକଙ୍କୁ ସର୍ବାଧିକ

ଗୋଟିଏ ମୌଳିକ ମଧ୍ୟରେ କେଶ ମାଲିକଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ ଶାଖା ନମ୍ବର ଥିବା ଏକାଧିକ ପୁଟ୍ ଥିଲେ ମିଶ୍ରଣ ବ୍ୟବହାର ହେବ। ଏହା ଅନୁମତି ଦେଉଛି ଏବଂ ଏକାଧିକ ଜମି ମାଲିକ ମିଳିମିଶ୍ରି ଆବେଦନ କରିପାରିବେ। ଏହା ଯୋଗୁଁ ତତ୍ତ୍ୱା ରାସ୍ତାକଡ଼ରେ ପୁଟ୍ ଆବେଦନ କରାଯିବା ସମ୍ଭବ ହୋଇପାରିବ। ଏହା ଯୋଗୁଁ କେଶ ମାଲିକଙ୍କୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ କରିବା ପାଇଁ ବଡ଼ ମିଶ୍ରିତ ପୁଟ୍‌ଗୁଡ଼ିକ ପାଇଁ ଫ୍ଲୋର ଏକାଧିକ ଅନୁପାତ (ଏଫ୍‌ଏଆର) ଲାଭ ଦିଆଯାଇଛି। ବଡ଼ ପୁଟର ଆକାର ଅନୁଯାୟୀ ରାସ୍ତା ତତ୍ତ୍ୱା ଦ୍ୱାରା ଅଧିକ ଲାଭ ମିଳିବ। ବିଡିଏ ଅଧିକାରୀ ପରେ ସାତ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ହିତାଧିକାରୀ ଏବଂ ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ ଠାରୁ ପରାମର୍ଶ ଏବଂ ମତାମତ ଆହ୍ୱାନ କରିଛି। ଏହାର ସର୍ବଶେଷ ଚର୍ଚ୍ଚା କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଭଲ ଶୁଖିଳିତ ହେବ ଯେ ଲଗଭଲ୍ କରିପାରିବେ।

ରଥଖଳା

ପ୍ରଭା ଅପ୍ସରା ଏବଂ ବେଦୀ ସିଂହାସନ ନିର୍ମାଣ ଶେଷ



ପୁରୀ, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ରଥଯାତ୍ରା ପାଇଁ ରଥଖଳା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଚଳଚଞ୍ଚଳ। ବିଧି ପୂର୍ତ୍ତାବକ ତିନିରଥ ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟ ଆଗେଇ ଚାଲିଛି।

କରିଛନ୍ତି। ଏହାପରେ ସେହି ରୂପରେ ଅଧିକ ବିଶ୍ୱ ପାଇଁ ରଥ ଚାଳିକୁ ଯୋଗାଇ ଦେଇଛନ୍ତି।

ଆଗାମୀ ସପ୍ତାହରେ +୨ ପରୀକ୍ଷା ଫଳ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ଆଜି ସପ୍ତାହେ ପରେ ଅର୍ଥାତ୍ ଚଳିତ ମାସ ଚୂଡ଼ାଘାସପ୍ତାହରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରୀକ୍ଷା (ସିଏସ୍ ଏସ୍‌ସି) ପରିଚାଳିତ ପୁସ୍ତକ ପରୀକ୍ଷା ଫଳ ପ୍ରକାଶ ପାଇବ।

ରାଜ୍ୟ ସେବା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଚେତାବନୀ

ବଦଳିର ୭ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯୋଗ ନ ଦେଲେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ

- ବେବଦୋସ୍ତ ଜମିର ସମାଧାନ ପାଇଁ ଖୁବ୍ ଶୀଘ୍ର ଜାଣା ହେବ ଏସ୍‌ଓପି
ସରକାର ଜମି କବରଦଖଲ କରିଥିଲେ କଠୋର କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଧମକ



କଠୋର କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରାଯିବ ବୋଲି ମନ୍ତ୍ରୀ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହା ସହ ସମସ୍ତ ବେବଦୋସ୍ତ ଜମିର ସମାଧାନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ କରିବା ସହ ସମସ୍ତ ଜମିପତ୍ରର ୨ ଖାନା ବା କଲମ୍ ୨ ଫର୍ଗୋଧାନ ହରାନ୍ତି କରିବା ପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ଓ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ପରିଚାଳନା ମନ୍ତ୍ରୀ ସୁରେଶ ପୂଜାରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ମଧ୍ୟରେ ଶୀଘ୍ର ଫଳପ୍ରାପ୍ତ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି। ଜମି ରେକର୍ଡ ସଠିକ୍ ରଖିବା, ଅନୁଧିକୃତ ଦଖଲ ରୋକିବା ଏବଂ ରାଜସ୍ୱ ବୃଦ୍ଧି କରିବା ପରିପ୍ରେକ୍ଷାରେ ବେବଦୋସ୍ତ ଜମିର ସେଟେଲମେଣ୍ଟ ନିମନ୍ତେ ବିଭିନ୍ନ ସମୟରେ ରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ସକ୍ରିୟତା ଜାରି ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଖୁବ୍ ଶୀଘ୍ର ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ସମ୍ବନ୍ଧିତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଆଦିକୁ ଫଳପ୍ରାପ୍ତ କରି ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଏସ୍‌ଓପି ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି।

ବୋଲି ବୈଠକରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଛି। ସେହିପରି ରାଜ୍ୟ ନିରୀକ୍ଷକ (ଆରୋଧାନ) ମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତି ମାସରେ ୨୫୦ରୁ ୩୦୦ ଖାତାର ସର୍ତ୍ତେ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଲକ୍ଷ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି। ଏହା ସହ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯିବ। ସହ କୃଷକ ପଞ୍ଜିକରଣ (ଫାର୍ମ ରେଜିଷ୍ଟ୍ରି) ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ବୋଲି ବୈଠକରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଛି।

ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ଯୁବକ ମୃତ

ସମ୍ବଲପୁର, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ସମ୍ବଲପୁର ଜିଲ୍ଲା ପଡ଼ିଆବାହାଳ ରେଞ୍ଜରେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ଜଣେ ଯୁବକ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ସୂଚନା ମିଳିଛି। ରାତିରେ ଶୌଚ ପାଇଁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିଲା।

ହିଞ୍ଜିଳି ବାଉଁଶ ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ବିଜେଡିର ପ୍ରଶ୍ନ

ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତାଙ୍କ ଚିଠିକୁ ନେଇ ଏତେ ଉତ୍ସାହ କାହିଁକି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ହିଞ୍ଜିଳି ଆନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଖରିଡ଼ା ଗ୍ରାମରେ ଜଣେ ଗର୍ଭବତୀ ମହିଳାଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ତିନି ବର୍ଷର ଝିଅ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣରେ ବାଉଁଶ ହତ୍ୟା ଯାଗା ରାଜ୍ୟରେ ଆଲୋଡ଼ନ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଘଟଣାକୁ ନେଇ ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତା ତଥା ହିଞ୍ଜିଳି ବିଧାୟକ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ଉପବେଶ ପ୍ରକାଶ କରି ଗୃହ ବିଭାଗ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖି ଘଟଣାରେ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।



ସପ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରେ ଆଇନ ଶୁଖିଲାର ଚରଣ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ହିସାବରେ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ

ଫୋକାଳ ଡ. ଲେନିନ ମହାନ୍ତି ଓ ବିଜୁ ଛାତ୍ର ଜନତା ଦଳ ସଭାନେତ୍ରୀ ଇସ୍ମିତା ସାହୁ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାକୁ ନେଇ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠାଇଛନ୍ତି। ଡ. ମହାନ୍ତି କହିଛନ୍ତି ଯେ ଗତ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଦାୟିତ୍ୱହୀନତା ଦେଖିବା ଓ ଜଣେ ଅପରାଧୀକୁ ଦଣ୍ଡ ଦେବାକୁ ଦାବି କରିବା କେଉଁ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଭୁଲ ବୋଲି ବିଜେଡି ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି।

କହିବା ସାହୁ କହିଥିଲେ ଯେ ଯେଉଁ ତିନି ବର୍ଷର ଛୁଆ ସାମ୍ରାଜ୍ୟରେ ଗର୍ଭବତୀ ମାଆଙ୍କୁ ସ୍ୱର୍ଗଦେବୀଙ୍କୁ ଦେଖାଯାଇଛି, ସେ ଛୁଆର ଦାୟିତ୍ୱ ନେବା ପାଇଁ ସରକାରଙ୍କୁ ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତା ଅନୁରୋଧ କରିବା ଯଥାର୍ଥ ନୁହେଁ କି? ଯେତେବେଳେ ବି କୌଣସି ପ୍ରଶ୍ନ ଗୃହ ବିଭାଗ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ କରାଯାଏ, ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶୀଳ ହୋଇ ସାମ୍ରାଜ୍ୟ କାହିଁକି ଆସୁଛନ୍ତି? ଅଯୋଗ୍ୟତାରେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଗୃହ ବିଭାଗର ଦାୟିତ୍ୱରେ ଅଛନ୍ତି କି? ଏକ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶୀଳ ହୋଇ ମତ୍ତବ୍ୟ ଦେବା ଅପେକ୍ଷା, ଅନୁଗୁଣ, କଣାସ ଏବେ ଖରିଡ଼ା ଘଟଣାକୁ ସରକାର କିଛି ଶିକ୍ଷା ଲାଭ କରି ରାଜ୍ୟରେ ଆଇନର ଶାସନ ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରିବା ପାଇଁ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ ବୋଲି ବିଜେଡି ଦାବି କରିଛି।

ଘାଟକାସ ପଞ୍ଚାୟତ ଘଟଣା ଅଭିଯୁକ୍ତ ମଦନମୋହନଙ୍କ ଅନ୍ତରାଣ ଜାମିନ ଆବେଦନ ଖାରଜ

କଟକ, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ବୁଢ଼ପୁରର ଆଇନଜୀବୀ ଘାଟକାସ ପଞ୍ଚାୟତ ହତ୍ୟା ଘଟଣାରେ ଅନାଦିନୀ ଅଭିଯୁକ୍ତ ମଦନ ମୋହନ ଦଳାଇଙ୍କ ଅନ୍ତରାଣ ଜାମିନ ଆବେଦନକୁ ଆଜି ହାଇକୋର୍ଟ ଖାରଜ କରିଦେଇଛନ୍ତି।

୩ ବର୍ଷ ହେଲା ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଖାଲି ପଡ଼ିଛି ଲୋକପାଳ ପଦବୀ

କଟକ, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ପଦବୀ ଖାଲି ପଡ଼ିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ପୂରଣ କରାଯାଇ ନଥିବା ପ୍ରଫେସର ରୁକ୍ମିଣୀ ଜନସର୍ଥ ମାମଲାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଗ୍ରହଣ କରି ଶୁଣାଣି କରିଛନ୍ତି ହାଇକୋର୍ଟ।

ଜବାବ ଦାଖଲ ପାଇଁ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ

ଛାତ୍ର ଅଭିଯୋଗ ସମାଧାନ ନିୟମାବଳୀ ଧାରା ୬ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଁ ନିୟମ ଅଛି। ସେହିଭଳି ନଥିବା ପ୍ରଫେସର ରୁକ୍ମିଣୀ ନାମଲେଖାଠାରୁ ପରୀକ୍ଷା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସମସ୍ତ ଅଭିଯୋଗର ସମାଧାନ ପାଇଁ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅନୁଦାନ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ପ୍ରତିତ୍ୟକ୍ତ ଜବାବ ଦାଖଲ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ଅଭିଜ୍ଞତା ଥିବା ପ୍ରଫେସର ତଥା ଜଣେ ପୂର୍ବତନ ଜିଲ୍ଲାଜଜ୍ ଏହି ପଦରେ ତିନିବର୍ଷ ଥିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ବର୍ଷ ବନ୍ଦ୍ୟ ଯାଏଁ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ରହିଛି। କିନ୍ତୁ ୨୦୨୩ ମସିହା ମେ ମାସରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତ ହୋଇନାହାନ୍ତି। ୨୦୨୫ ପୂର୍ବରୁ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଜବାବ ଦାଖଲ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି।

ବଢ଼ିଲା ଚୌଦ୍ୱାର ଜେଲ୍ ଅଧୀକାରୀଙ୍କୁ ସୁଜିତ ରାଉଳଙ୍କ ଅଭୁଆ ଅନ୍ତରାଣ ସୁରକ୍ଷା ହଟାଇବା ପାଇଁ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ଚେତାବନୀ

କଟକ, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ଚୌଦ୍ୱାର ସର୍କଲ ଜେଲ୍ ଅଧୀକାରୀଙ୍କୁ ସୁଜିତ ରାଉଳଙ୍କ ଅଭୁଆ ବଢ଼ିଛି। ଜେଲ୍ ପ୍ରବେଶ ପ୍ରସ୍ଥାନ ରେଜିଷ୍ଟର ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦସ୍ତାବିଜ ପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରଦାନ କରୁ ନଥିବା ପ୍ରଫେସର ହାଇକୋର୍ଟ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି।

ନିର୍ଦ୍ଦେଶରେ ଏହି କାଳିଆଡ଼ି କରାଯାଇଥିବା ଏବଂ ଏଥିପାଇଁ ସୂଚନାଦାତାଙ୍କୁ ମିଥ୍ୟା ଭାବେ ଫାସାଲାଇଥିବା ଅପାଳତରେ ଦର୍ଶାଯାଇଛି। ଜଣେ ମହିଳା ବନ୍ଦୀଙ୍କୁ ଜେଲ୍ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ସୁନାଗହଣା କାଡ଼ି ରଖିଥିଲେ ବି ସେ ଜାମିନ ପାଇବା ପରେ ଏହି ସୁନାଗହଣା ଗାଏବ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଏହି ଘଟଣାରେ ଜଣେ ଜେଲ୍ ଡ଼ାକ୍ତର ରିପୋର୍ଟ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ପୂର୍ବତନ ଜେଲ୍ ଡ଼ାକ୍ତର ଓ ଅଧୀକାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପରସ୍ପରକୁ ଦୋଷାରୋପ ଆରମ୍ଭ ହୋଇ ମାମଲା ଆନାକୁ ଯାଇଥିଲା। ଏହି ଘଟଣା ଯୋଗୁଁ ଅଭିଯୋଗକାରୀ ଜଣକ ବର୍ତ୍ତମାନ ବିଭାଗୀୟ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେଉଛନ୍ତି।

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅକ୍ଷରରେ ରଖି ଗୁପ-ଏ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କ୍ଷତଯନ୍ତ୍ର

ବିନା କ୍ୟାବିନେଟ ମଞ୍ଜୁରୀରେ କେମିତି ସୃଷ୍ଟି ହେଲା ନୂଆ ପଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ପଶୁ ପାଳନ ବିଭାଗରେ କୁଳ ମନ୍ତ୍ରୀ ଅପ୍ସର (ବିଏସ୍‌ଓ) ପରି ନୂତନ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କରି ରହିବେ ନିଯୁକ୍ତି ଦେବାକୁ ଚାଲିଥିବା କ୍ଷତଯନ୍ତ୍ର ଗୁମର ଖୋଲିବା ପରେ ଗୋଟିଏ ପଦ ଗୋଟିଏ ରୋଜକ ତଥ୍ୟ ପଦକୁ ଆସିବାର ଲାଗିଛି।

- କୁଳ ସହକାରୀ ମନ୍ତ୍ରୀ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଗୋପନ ବୈଠକ
ପୃଥକ ବୈଠକରେ ଡିଏସ୍‌ଓ ଓ ଏଡିଏସ୍‌ଓ ବିଚାରବିମର୍ଶ
ଖବର ପ୍ରକାଶ ପରେ ମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ପ୍ରାଣୀସମ୍ପଦ ବିଭାଗରେ ହଲ୍‌ଚଳ

ଦରମା ପାଇବା ପାଇଁ ନୂତନ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କରିବାକୁ ପ୍ରାୟ ୨୦୧୫ ଠାରୁ ଲାଷ୍ଟ ଦିଆଯାଇଥିବା ମଧ୍ୟ ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ବିଭାଗୀୟ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅଧିକାରୀମାନେ ଅର୍ଥ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି ଓ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅକ୍ଷରରେ ରଖାଯାଇଛି।

ଡିଏସ୍‌ଓ ଓ ଏଡିଏସ୍‌ଓ ମନ୍ତ୍ରୀ ଅଧିକାରୀମାନେ (ଏଡିଏସ୍‌ଓ) ପୃଥକ ପୃଥକ ଭାବେ ଦୁଇଟି ବୈଠକ କରିଛନ୍ତି। ପୁନଶ୍ଚ ଲାଷ୍ଟ କାରବାରରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଏବଂ ଉପାଦାନର ଏକ ଗୋପନ ବୈଠକ ଜରତସିଂହପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି।

ତ୍ରିମସ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାମଣ୍ଡଳୀ ବୈଠକ

ନବସୃଜନ ଓ ବିକାଶମୁଖୀ ଗବେଷଣାକୁ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ

କଟକ, ୨୫ (ସମ୍ବିଧ): ତ୍ରିମସ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୫ମ ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳୀ ବୈଠକ ରୁଧିର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଡ. ପ୍ରମୋଦ ଚନ୍ଦ୍ର ରଥ ବୈଠକରେ ଚୌରୋହିତ୍ୟ କରି ବୃତ୍ତିଗତ ଶିକ୍ଷା, ଗବେଷଣା ଓ ନବସୃଜନରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଉନ୍ନତି, ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳର ବିକାଶକୁ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ସର୍ବଦା ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ଦେଇ ଆସିଥିବା ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ।



ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ମନୋନୀତ ବିଶେଷଜ୍ଞ ସଦସ୍ୟ ଭାବରେ ବନ ସେବାର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ କୁମାର ଶତ୍ତରୀ ଓ ଡ. ଶକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ଦାସଙ୍କ ସମେତ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଜେ. ପ୍ରଭାକର ସାହି, ପ୍ରଫୁଲ୍ଲବିଠ୍ ଜେ. ଅଶୋକ କୁମାର ଦାସ, ତ୍ରିମସ ମେଡିକାଲ କଲେଜର 'ଡି.ଏ.ଏ.' ପ୍ରଫେସର ଡ. ଝଙ୍କନ କୁମାର ଦାସ ଏବଂ ଅଭାସୀ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ପ୍ରଫେସର ଡ. ବିକାଶନନ୍ଦ ସିଂହ ବୈଠକରେ ଯୋଗଦେଇ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରସ୍ଥାବ ଉପରେ ସୁଚିତ ଅଭିମତ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ।



ଆକାଶ ରାଶି ଫଳ

- ମେଷ:** ଆଜି ଦିନଟି ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ବହୁତ ଭଲ। ଅପିଏସ୍ ସହକର୍ମୀଙ୍କ ସହଯୋଗ ମିଳିପାରେ। ଗୁରୁଜନଙ୍କ ସହ ଭଲମାନୁଷ୍ୟମଣା ରହିବ। ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଦିନଟି ଭଲ। ରୋଗଗାର ବୃଦ୍ଧି ହେବ।
- ବୃଷ:** ଦିନଟି ମିଶ୍ରପାକ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଆଶା କରିଥିବା ଦିଗରୁ ନିରାଶ ହୋଇପାରନ୍ତି। ଧାର୍ମିକ କାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରତି ଆଗ୍ରହ ବଢ଼ିବ। ସପକାତା ପାଇବା ପାଇଁ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରିବେ।
- ମିଥୁନ:** କୋର୍ଟ କଚେରୀ ମାମଲାର ଶୁଣାଣି ହେବ। ପୁରୁଣା ବନ୍ଧୁଙ୍କ ସହ ଭେଟ ହୋଇପାରେ। ବିରୋଧୀଙ୍କ ସହ ମତାନ୍ତର ଦୂର ହେବ। ପାରିବାରିକ ଜୀବନ ସୁଖଶାନ୍ତିରେ ବିତିବ।
- କର୍କଟ:** ଦାନଧର୍ମରେ ଦିନଟି ଅତିବାହିତ କରିବେ। ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ବିଦେଶ ଯାତ୍ରା କରିବେ। ଗରିବଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେ। ମାନସିକ ଶାନ୍ତି ମିଳିବ। ନୂତନ ବ୍ୟବସାୟ ଆରମ୍ଭ କରିପାରନ୍ତି।
- ସିଂହ:** ଆର୍ଥିକ ସମସ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇପାରେ। ଆଇଟି କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ଭଲ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ବିଶେଷ ଧ୍ୟାନ ଦେବେ। କୌଣସି କଥାକୁ ନେଇ ମନ ଉଣା ହୋଇପାରେ।
- କନ୍ୟା:** ସମାଜରେ ମାନ ସମ୍ମାନ ବୃଦ୍ଧି ପାଇବ। ବନ୍ଧୁଙ୍କ ସହାୟତାରେ କାମ ପୁରା କରିବେ। ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ପଢ଼ାକୁ ନେଇ ଚିନ୍ତାରେ ରହିବେ। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସମସ୍ୟା ଉପୁଜିବ। ଦାମ୍ପତ୍ୟ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ।
- ତୁଳା:** ଦିନଟିରେ ସପକାତା ମିଳିବ। ପ୍ରେତୁକ ବ୍ୟବସାୟରୁ ଲାଭଦାନ ହେବେ। ସକାରାତ୍ମକ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବେ। ଆର୍ଥିକ ଲାଭ ମିଳିବ। କ୍ରୋଧ ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରଖନ୍ତୁ।
- ବିଛା:** ବାଦବିବାଦରୁ ଦୂରେଇ ରହିବେ। ତରବରିଆ ଭାବେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବେ ନାହିଁ। ବ୍ୟବସାୟରେ ଦୂରସ୍ଥାନକୁ ଯାତ୍ରା କରିବେ। ପ୍ରେମିକ-ପ୍ରେମିକାଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ଭଲ।
- ଧନୁ:** ଆଜି ଦିନଟି ଶୁଭପାକ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଆୟ ବ୍ୟୟ ସମାନ ରହିବ। ମାପିତ୍ରୁପି କଥା କୁହନ୍ତୁ। ପିଲାମାନେ ଖେଳକୁଦରେ ସମୟ ଅତିବାହିତ କରିବେ। ରାଜନେତାଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ବହୁତ ଭଲ।
- ମକର:** ବିବାହ ପ୍ରସ୍ତାବ ଆସିପାରେ। ଧନଲାଭ ଯୋଗ ଅଛି। ଯାନବାହନ କିଣିପାରନ୍ତି। ପରିବାର ସହ ହସ ଖୁସିରେ ଦିନ କାଟିବେ। ଯୋଜନା ମୁତାବକ କାମ କରନ୍ତୁ।
- କୁମ୍ଭ:** ପରନିନ୍ଦାରୁ ଦୂରେଇ ରହିବା ଭଲ। ଦାମ୍ପତ୍ୟ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ। ପିଲାମାନେ ଖେଳକୁଦରେ ସମୟ ଅତିବାହିତ କରିବେ। ଆୟ ଅନୁସାରେ ବ୍ୟୟ ହେବ। ବ୍ୟବସାୟରୁ ଲାଭଦାନ ହେବେ।
- ମୀନ:** ମାନସିକ ଶାନ୍ତି ମିଳିବ। ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଦିନଟି ଶୁଭ। ଗୁରୁଜନଙ୍କ ପରାମର୍ଶ ନେଇ ନୂତନ କାମ ଆରମ୍ଭ କରିପାରନ୍ତି। ବ୍ୟକ୍ତିଗତ କଥା ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଆଗେ ପ୍ରକାଶ କରନ୍ତୁନି।

ଆଜିର ଇତିହାସ

- ୧୯୦୭- ବମ୍ବେରେ ପ୍ରଥମ ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକ୍ ଟ୍ରାମ୍ ଚାଲିଲା।
- ୧୯୨୮- ବ୍ରିଟେନ୍‌ରେ ମତଦାନ ଅଧିକାର ୩୦ ବର୍ଷରୁ ହ୍ରାସ କରି ୨୧ ବର୍ଷ କରି ଦିଆଗଲା।
- ୧୯୪୦- ଝିନସନ ଚର୍ଚ୍ଚିକ ବ୍ରିଟେନ୍‌ର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ହେଲେ।
- ୨୦୦୦- ଛାଦିନିରୁ ପୁର୍ଟିନ ରୁଷ୍ଟର ଦଶମ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ହେଲେ।
- ୨୦୦୪- ନେପାଳର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବାହାଦୁର ଥାପ୍ପା ଇସ୍ତଫା ଦେଲେ।

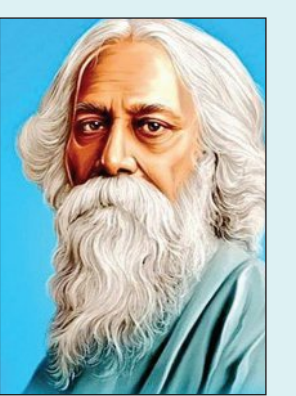
ବାହା ହେବେ ହୁମା



ରାଜ୍ୟର ଅଭିନେତ୍ରୀ ହୁମା କ୍ୟୁରୋସି ଖୁନ୍ ଶାମ୍ଲ ବିବାହ ବନ୍ଧନରେ ବାନ୍ଧି ହେବାକୁ ଯାଉଛନ୍ତି। ହୁମା ତାଙ୍କ ଦୀର୍ଘଦିନର ପ୍ରେମିକ ରଚିତ ସିଂହକୁ ବିବାହ କରିବେ। କିଛି ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଉଭୟଙ୍କର ଆମେରିକାରେ ନିର୍ବାହ ପର୍ବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିବା ଖବର ପ୍ରକାଶ ପାଇଥିଲା। ଏଇ ବର୍ଷ ଉଭୟ ବିବାହ ବନ୍ଧନରେ ବାନ୍ଧି ହେବାକୁ ଯାଉଥିବା ନେଇ ଏବେ ଖବର ଆସିଛି। ଉଭୟ ଅକ୍ଟୋବର କିମ୍ବା ନଭେମ୍ବରରେ ବିବାହ କରିବା ପାଇଁ ଯୋଜନା କରିଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଏଥିପାଇଁ ସେମାନେ ପ୍ରସ୍ତୁତି ମଧ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରି ଦେଇଛନ୍ତି। ଅବଶ୍ୟ ସହାୟକ ନେଇ ଏଯାବତ୍ ବିଧିବଦ୍ଧ ଭାବେ ଉଭୟ କିଛି କହି ନାହାନ୍ତି। କିଛି ନିକଟ ସମ୍ପର୍କୀୟଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଏହି ବିବାହର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ। ଏହାପରେ ସେମାନେ ମୁମ୍ବାଇରେ ଏକ ରିସେପସନ୍ ପାର୍ଟି ରଖିବେ। ଏଥିରେ ବଲିଉଡ୍‌ର ଅନେକ ସେଲିବ୍ରିଟି ଯୋଗ ଦେବେ। 'ଆମା'ର ସ୍କିନ୍ ସମୟରେ ହୁମା ଓ ରଚିତଙ୍କୁ ଏକାଠି ଦେଖାଯିବା ପରେ ଉଭୟଙ୍କ ପ୍ରେମ ସମ୍ପର୍କକୁ ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ହେବାକୁ ଲାଗିଲା। ରଚିତ ଜଣେ ଆକ୍ଟିଭ କୋର୍ଟ ଓ ଟ୍ରେନର୍। ସେ ଭିକି କୌଶଲ, ରଣବୀର ସିଂହ, ତାପସୀ ପନ୍ନୁଙ୍କ ସହ କାମ କରିଛନ୍ତି। ହୁମାଙ୍କ କାମ କଥା କହିବାକୁ ଗଲେ ସେ ଶେଷ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ 'ଜଳି ଏଲ୍‌ଏଲ୍‌ଏ ଶା'ରେ ନଜର ଆସିଥିଲେ। ଏବେ ସେ ଯଶ୍‌ରାଜ 'ଚକ୍ରିକ୍' ଏ ପ୍ୟାରି ଟେଲି ଫର୍ ଗ୍ରୋଉଅପ୍‌ରେ ନଜର ଆସିବେ।

ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାତ୍ତ ଦୋକାନ

ଆଜିକାଲି ପ୍ରତ୍ୟେକ ଛୋଟ ବଡ଼ ଦୋକାନରେ ଟିପ୍‌ପ, ଚକୋଲେଟ୍, ନୁଡ଼ଲ୍ ଆଦି ମିଳୁଛି। ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାତ୍ତ ଦୋକାନ ଏବେ ଚୀନର ଟାଙ୍ଗ୍‌ସା ସହରରେ ଖୋଲିଛି। ଏହି ଦୋକାନଟି ଏତେ ବଡ଼ ଯେ, ଏହାକୁ 'ସ୍ନାତ୍ତ କିଙ୍ଗଡମ୍' କୁହାଯାଉଛି। ଦୋକାନର କ୍ଷେତ୍ରଫଳ ୧୨,୦୦୦ ବର୍ଗମିଟରରୁ ଅଧିକ। ୧୭ ଏପ୍ରିଲରେ ଖୋଲିବା ପରେ ଏହା ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାତ୍ତ ଦୋକାନ ଭାବେ ଗିନିଜ୍ ବିଶ୍ୱ ରେକର୍ଡରେ ମଧ୍ୟ ସ୍ଥାନ ପାଇଛି। ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ କଥାଟି ହେଲା, ଏହି ଦୋକାନର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ସ୍ନାତ୍ତ ଏବଂ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସ୍ତରର ସ୍ନାତ୍ତ ମିଳୁଛି, ଯାହା ଗ୍ରାହକଙ୍କୁ ଏକ ଭିନ୍ନ ଅନୁଭୂତି ଦେଇଛି। ମିଙ୍ଗ୍ ମିଙ୍ଗ୍ ହେନମାଙ୍ଗ ଗ୍ରୁପ୍ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ଏହି ସ୍ଥାନରେ ୬୦ଟି ଦେଶର ୩୫,୦୦୦ରୁ ଅଧିକ ପ୍ରକାରର ସ୍ନାତ୍ତ ମିଳୁଛି। ୬୫୦୦ରୁ ଅଧିକ ବିଶ୍ୱ ସ୍ତରର ଓ ଘରୋଇ ବ୍ରାଣ୍ଡର ସ୍ନାତ୍ତ ମଧ୍ୟ ଏଠାରେ ମିଳୁଛି। ସ୍ଥାନ ଭିତରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବିଭାଗମାନ ମଧ୍ୟ ରହିଛି। ଏଠାରେ ଥିବା 'ଇନ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଟ ନୁଡ଼ଲ୍ ସିଟ୍' ବିଭାଗରେ ବିଶ୍ୱର ବିଭିନ୍ନ ଦେଶର ପାଖାପାଖି ୩,୫୦୦ରୁ ଅଧିକ ପ୍ରକାର ନୁଡ଼ଲ୍ ରହିଛି। ଏହି ବିଭାଗଟି ସବୁଠୁ ଲୋକପ୍ରିୟ। ଏହାବାଦ୍ ଏହା ଭିତରେ ଥିବା କୋଲା ବିଭାଗଟି ମଧ୍ୟ ବହୁତ ବଡ଼। ଏଠାରେ ୨୦ଟି ଦେଶର କୋଲା ବ୍ରାଣ୍ଡସ୍ ମିଳିଥାଏ। ଏଠାରେ କୁଇବ୍ କୋଲା ସହ ସଲ୍‌ଟେଡ୍ କୋଲା ମଧ୍ୟ ମିଳିଥାଏ। ଦୋକାନର ଯେଉଁପାର୍ଶ୍ୱକୁ ଚାହିଁଲେ ସବୁଆଡ଼େ କେବଳ ଟିପ୍‌ପ ଯାଏ, ଚକୋଲେଟ୍ ନୁଡ଼ଲ୍ ଆଦି ଦେଖାଯାଏ। ଏହି ସ୍ନାତ୍ତ କିଙ୍ଗଡମ୍ ସାରା ବିଶ୍ୱର ପର୍ଯ୍ୟଟକ ଏବଂ ଖାଦ୍ୟପ୍ରେମୀଙ୍କ ପାଇଁ ଆକର୍ଷଣର କେନ୍ଦ୍ର ହୋଇ ରହିଛି।



ବିଶ୍ୱକବି ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥ

ବିଶ୍ୱକବି ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଏକାଧାରରେ ଥିଲେ ଜଣେ କବି, ଚିତ୍ରଶିଳ୍ପୀ, ସଙ୍ଗୀତଜ୍ଞ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଗାଳ୍ପିକ ଓ ଦାର୍ଶନିକ। ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କୁ ବିଶ୍ୱ ଶତାବ୍ଦୀର ଭାରତର ବିଶିଷ୍ଟ ସୃଜନଶୀଳ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱ ଭାବରେ ଗଣନା କରାଯାଏ। ତାଙ୍କର ଉଚ୍ଚକୋଟୀର ସାହିତ୍ୟ ଓ ବିଶ୍ୱ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ପାଇଁ ତାଙ୍କୁ 'ବିଶ୍ୱକବି' ଭାବେ ସମ୍ମାନିତ କରାଯାଇଛି। ଭାରତୀୟ ସାହିତ୍ୟ, ସଙ୍ଗୀତ ତଥା କଳା କ୍ଷେତ୍ରକୁ ତାଙ୍କର ବହୁ ଅବଦାନ ରହିଛି। ୧୯୧୩ ମସିହାରେ ସେ ସାହିତ୍ୟ ପାଇଁ ନୋବେଲ ପୁରସ୍କାର ପାଇଥିଲେ। କଲିକତାଠାରେ ୧୮୬୧ ମସିହା ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ପିତା ଦେବେନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଓ ମାତା ଶାରଦା ଦେବୀ ତାଙ୍କୁ ଖୁବ୍ ଆଦର କରୁଥିଲେ। ପିଲାଟି ବେଳୁଁ ହିଁ ତାଙ୍କର ପ୍ରତିଭା, ଛନ୍ଦ ଓ ଭାଷାର ଅଭୁତ ଆଭାସ ମିଳିଥିଲା। ସ୍କୁଲ ଶିକ୍ଷା ସମାପ୍ତ କରିବା ପରେ ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥ ଜ୍ଞାନପୀଠରେ ନାମ ଲେଖାଇଥିଲେ। ସେ ଲକ୍ଷ୍ନୂର ଯୁନିଭରସିଟି କଲେଜରୁ ଆଇନ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରାପ୍ତ କରିଥିଲେ। ତିନି ଗ୍ରହଣ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ସେ ଭାରତ ଫେରି ଆସିଥିଲେ। ୧୮୮୩ ମସିହାରେ ସେ ମୁଖାଲିନୀ ଦେବୀଙ୍କୁ ବିବାହ କରିଥିଲେ। ସେ ତାଙ୍କର ପ୍ରଥମ କବିତା ୮ ବର୍ଷ ବୟସରେ ଲେଖିଥିଲେ। ୧୮୭୬ ମସିହାରେ ଯେତେବେଳେ ତାଙ୍କୁ ୧୬ ବର୍ଷ ବୟସ ହୋଇଥିଲା ସେତେବେଳେ ତାଙ୍କର ପ୍ରଥମ କବିତା ଗଳ୍ପ ପ୍ରକାଶିତ ହୋଇଥିଲା। 'ଗୀତାଞ୍ଜଳି' ପାଇଁ ଗୁରୁଦେବଙ୍କୁ ୧୯୧୩ ମସିହାରେ ନୋବେଲ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ସେ ଏ ପୁରସ୍କାର ପାଇବାରେ ପ୍ରଥମ ଅଣ୍ଡାଲୋଗୀୟ ଥିଲେ। ସେ ମଧ୍ୟ 'ନାଲଚହୁଦ୍' ଉପାଧି ପାଇଥିଲେ। ସେ ସବୁବେଳେ ଶିକ୍ଷାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଉଥିଲେ। ଉପଯୁକ୍ତ ଶିକ୍ଷା ଦିନା ଯେ, କିଛି ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ ବୋଲି ସେ କହୁଥିଲେ। ଯେଉଁକାରଣରୁ ହିଁ ସେତେବେଳେ ଭାରତରେ ପ୍ରଚଳିତ ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ପଞ୍ଜୁରା ଭିତରେ ବଦଳାନ୍ତୁ ତାଳିମ ସହ ସେ ତୁଳନା କରିଥିଲେ। ଶିକ୍ଷାକୁ ପାଠ୍ୟକୁମ୍ଭ ଓ ପୁସ୍ତକ ବାହାରକୁ ନେବାପାଇଁ ସେ ଶାନ୍ତିନିକେତନରେ 'ବିଶ୍ୱ ଭାରତୀ' ସ୍ଥାପନା କରିଥିଲେ। ପ୍ରକୃତିପ୍ରେମୀ ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ଶାନ୍ତି ନିକେତନ ସାହିତ୍ୟ, ସଙ୍ଗୀତ ଏବଂ କଳା ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରେ ସମଗ୍ର ଦେଶରେ ଏକ ଆଦର୍ଶ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଭାବରେ ସ୍ୱୀକୃତିପ୍ରାପ୍ତ। ରବାନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ ରଚିତ ଦୁଇଟି କବିତା 'ଜନଗଣମନ' ଓ 'ଆମାର ସୋନାର ବାଙ୍ଗା'କୁ ଯଥାକ୍ରମେ ଭାରତ ଓ ବାଙ୍ଗାଦେଶର ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗୀତ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇଛି। ସେ ତାଙ୍କ ଜୀବନକାଳରେ ୨୨୩୦ ଗୀତ ରଚନା କରିଛନ୍ତି। ରବାନ୍ଦ୍ର ସଙ୍ଗୀତ ବଙ୍ଗଳା ସାହିତ୍ୟର ଏକ ଅଭିଭୂତ ଅଂଶ। ସେ ୧୮୭୮-୭୯-୮୦-୮୧-୮୨ ମଧ୍ୟରେ ପାଞ୍ଚଟି ମହାଦେଶରେ ଥିବା ୩୦ରୁ ଅଧିକ ଦେଶ ଭ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। ତାଙ୍କର ଏହି ଯାତ୍ରା ସମୟରେ ସେ ଆଲବର୍ଟ ଆଇନଷ୍ଟାଇନଙ୍କୁ ଭେଟି ସଙ୍ଗୀତକୁ ନେଇ ତାଙ୍କ ଆଗ୍ରହ ବିଷୟରେ କହିଥିଲେ। ତାଙ୍କର 'ଏକଲା ଚଲୋଲେ' କବିତା ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କୁ ଗଭୀର ଭାବେ ପ୍ରଭାବିତ କରିଥିଲା। ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ପ୍ରତି ତାଙ୍କର ବହୁତ ସମ୍ମାନ ଓ ଶ୍ରଦ୍ଧା ରହିଥିଲା। ଗାନ୍ଧୀଙ୍କୁ ସେ 'ମହାତ୍ମା' ଉପାଧି ଦେଇଥିଲେ। ୧୯୪୧ ମସିହା ଅଗଷ୍ଟ ୭ ତାରିଖରେ ସେ ଇହଧାମ ତ୍ୟାଗ କରିଥିଲେ। ତାଙ୍କର କୃତି ଓ ଦର୍ଶନ ଆଜି ମଧ୍ୟ ବିଶ୍ୱବାସୀଙ୍କୁ ପ୍ରେରଣା ଯୋଗାଇଥାଏ।

ପରଦାରେ ମା'



ରାକ୍ଷା ଗୁଲଜାର୍
ହିନ୍ଦୀ ସିନେମାର ଆଇକନିକ୍ - ମଦର ଭାବେ ରାକ୍ଷା ଗୁଲଜାର୍ ବେଶ୍ ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିଥିଲେ। ୧୯୯୫ ମସିହାରେ ମୁକ୍ତିଲାଭ କରିଥିବା 'କରନ-ଅର୍ଜୁନ' ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ତାଙ୍କ ଅଭିନୟକୁ ଦର୍ଶକେ ବେଶ୍ ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ। ପରଦାରେ ସ୍ୱାଭିମାନୀ, ସାହସୀ ମା'ର ଚରିତ୍ର ସେ ନିଖୁଣ ଭାବେ ଦର୍ଶାଇଥିଲେ। ବିଶେଷ କରି ୯୦ ଦଶକରେ ଅଧିକାଂଶ ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ସେ ଘରେ ଘରେ ପରିଚିତ ହୋଇଥିଲେ।

ମାଆ ନାହିଁ ଯାହାର, ସାହା ନାହିଁ ତାହାର। କୁହାଯାଏ, ଜଣେ ମାଆ ସମସ୍ତଙ୍କ ସ୍ଥାନ ନେଇପାରେ, ହେଲେ ମାଆର ସ୍ଥାନ କେହି ନେଇ ପାରିବେନି। ଏହି ଧାଡ଼ି କେବଳ ବାସ୍ତବ ଜୀବନ ନୁହେଁ, ସିନେମାରେ ମଧ୍ୟ ପ୍ରମାଣିତ ହୋଇଛି। ବଲିଉଡ୍‌ର ଅନେକ ଅଭିନେତ୍ରୀ ମାଆ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ଘରେ ଘରେ ପରିଚିତ ହୋଇପାରିଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କର ଅଭିନୟ ଏତେ ଜୀବନ୍ତ ହୋଇଛି ଯେ, ଫିଲ୍ମ ଦେଖୁ ଦେଖୁ ଦର୍ଶକଙ୍କ ଆଖିରୁ ଲୁହ ଝରିଯାଏ। ପରଦାରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ଦର୍ଶକଙ୍କ ଭଲ ପାଇବା ସାଉଁଟିଥିବା କିଛି ଅନ୍ୟତମ ମା'ଙ୍କୁ ନେଇ ଆମର ଏଇ ଆଲୋଚନା।



ଫରିଦା ଜଲୀଲ୍
ଫରିଦା ଜଲୀଲ୍ ହିନ୍ଦୀ ଫିଲ୍ମ ଜଗତର ଜଣେ ଜଣାଶୁଣା ଅଭିନେତ୍ରୀ। ୧୯୯୨ ମସିହାରେ 'ରବିଶ' ଫିଲ୍ମରେ ସେ ପ୍ରଥମେ ମାଆ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରିଥିଲେ। ସେ 'କୁଛ୍ କୁଚ୍ ହୋତାହେ', 'ଦିଲବାଲେ ଦୁଲହନିଆ ଲେ ଯାଏଜେ', 'ଚୋରି ଚୋରି ରୁପକେ ରୁପକେ' ଭଳି ୩୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ତେଜ ପ୍ରଶଂସା ସାଉଁଟିଥିଲେ। ବିଶେଷ କରି ତାଙ୍କର ସୁମଧୁର ସ୍ୱର ଓ ହସହସ ଚେହେରା ମା ଭୂମିକାକୁ ଅଧିକ ଜୀବନ୍ତ କରିଥିଲା।



ନିରୁପା ରାୟ
ହିନ୍ଦୀ ସିନେମା ଜଗତର ଲୋକପ୍ରିୟ ଅଭିନେତ୍ରୀ ଭାବେ ନିରୁପା ରାୟ ବେଶ୍ ପରିଚିତ। ସେ ମୁଖ୍ୟତଃ 'ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ହିନ୍ଦୀ ଫିଲ୍ମରେ କାହୁରୀ ମା' ଭୂମିକା ଆଜି ବି ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିଛି। ୨୦୮୦ ଦଶକରେ ଅନେକ ଫିଲ୍ମରେ ସେ ଅମିତାଭଙ୍କ ମାଆ ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ନିଜର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଛାପ ଛାଡ଼ିଛନ୍ତି।

ହଜିଯାଉଥିବା ସ୍ୱାଦ ମାଟିହାଣ୍ଡି ମାଂସ ବେସର

ଆବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀ
ଖାଦି ମାଂସ - ୫୦୦ ଗ୍ରାମ୍, କଟା ପିଆଜ - ଦୁଇ କପ୍, କଟା ଚୋମେ - ଏକ କପ୍, ହଳଦୀ ଗୁଣ୍ଡ - ଏକ ଚାମଚ, ଲଙ୍କା ଗୁଣ୍ଡ - ଏକ ଚାମଚ, ଗରମ ମସଲା ଗୁଣ୍ଡ - ଏକ ଚାମଚ, ସୋରିଷ - ଦୁଇ ଚାମଚ, ଅଦା ରସୁଣ ବଟା - ଦୁଇ ଚାମଚ, ଧନିଆ ଗୁଣ୍ଡ - ଏକ ଚାମଚ, କଞ୍ଚାଲଙ୍କା - ତିନି ଚାମଚ, ସୋରିଷ ତେଲ - ଆବଶ୍ୟକତା ଅନୁସାରେ, ଲୁଣ - ସ୍ୱାଦ ଅନୁସାରେ।

ପ୍ରସ୍ତୁତି ପ୍ରଣାଳି
ଏକ ବାଉଁଳ ନେଇ ମଟନକୁ ଧୋଇ ରଖନ୍ତୁ। ଏହାପରେ କାରରେ ସୋରିଷ ହଳଦୀ ମିଶାଇ ଗ୍ରାଉଣ୍ଡ କରନ୍ତୁ। ଏହାପରେ ଖାଦିମାଂସକୁ ବସାଇ ତେଲ ଦିଅନ୍ତୁ। ଏଥିରେ ଗୋଟାମସଲା ପକାଇ କଟାପିଆଜ ଦେଇ ଭାଜନ୍ତୁ। ସାମାନ୍ୟ ନାଲି ହୋଇଆସିଲେ ଏଥିରେ ଗୋଟା କଞ୍ଚାଲଙ୍କା, ଲୁଣ, ପିଆଜରସୁଣ ବଟା, ହଳଦୀ, ଲଙ୍କା, କାରା ଧନିଆ ଗୁଣ୍ଡ ସମେତ ଗରମ ମସଲା ଦେଇ କଷନ୍ତୁ। ମସଲା ଅଳ୍ପ କଷି ହେବା ପରେ ସେଥିରେ ଗରମ ମସଲା ଏବଂ ଖାଦି ମାଂସ ଦେଇ କଷନ୍ତୁ। ଭଲରେ କଷି ହୋଇଗଲେ ପାଣି ଦେଇ ତାକୁଣି ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ମାଂସ ସିଝି ଆସିଲେ ସେଥିରେ ବେସର ବଟା ଦିଅନ୍ତୁ। ଏହାପରେ କଟା ଧନିଆ ପତ୍ର ଦେଇ ଗନ୍ଧ ବଦଳି ଦିଅନ୍ତୁ। ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଗଲା ସ୍ୱାଦିଷ୍ଟ 'ମାଟିହାଣ୍ଡି ମାଂସ ବେସର'।

ସୁନ୍ଦର ଆକର୍ଷଣୀୟ ତୃତୀ ପାଇଁ ସୁଛତା ଜରୁରି



ମହିଳାମାନେ ସୁନ୍ଦର ଓ ଆକର୍ଷଣୀୟ ତୃତୀ ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରସାଧନ ସାମଗ୍ରୀ ଲଗାଇଥାନ୍ତି। ହେଲେ ଅଧିକ ରକ୍ଷାୟନମୂଳକ ପ୍ରସାଧନ ଲଗାଇଲେ ଏହା ତୃତୀର ଉଚ୍ଚତା କମିଯାଏ ଏବଂ ଏଥିପାଇଁ ତୃତୀ ସଂକ୍ରମଣ ଆଶଙ୍କା ରହିଥାଏ। ତେଣୁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରସାଧନ ସାମଗ୍ରୀ ନ ଲଗାଇ ତୃତୀ, ତୃତୀ, ନଖ, କେଶ ଓ ଆଖିକୁ ପ୍ରଥମେ ସଫା ରଖିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଏପରି କଲେ ତୃତୀ ସୁସ୍ଥ ଏବଂ ଆକର୍ଷଣୀୟ ରହିଥାଏ। ଏଥି ସହ ମେକଅପ୍ ସାମଗ୍ରୀକୁ ମଧ୍ୟ ସଫା ସୁତୁରା ରଖିବା ଆବଶ୍ୟକ।

- କ'ଣ କରିବେ:**
- ସୁନ୍ଦର ତୃତୀ ହୋଇଥିଲେ ବାରମ୍ବାର ହାତ ଲଗାନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଏହା ଦ୍ୱାରା ତୃତୀ ଅଧିକ ଟୁଟିବ।
 - ସୁନ୍ଦର ସଫା କରିବା ବେଳେ ପରିଷ୍କାର ଟିପ୍ପୁ ନଚେତ୍ ରୁମାଲ୍ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ।
 - ସଂସ୍କାରକୁ ଅନେକ ସମୟ ତୃତୀ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜିନିଷ ଆଦିକୁ ସଫା କରନ୍ତୁ। ଗରମ ପାଣି ଓ ସାବୁନରେ ଏସବୁ ସଫା ହୋଇପାରିବ।
 - କାହା ସହ ମେକଅପ୍ ସେୟାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଏହା ଦ୍ୱାରା ସଂକ୍ରମଣ ଆଶଙ୍କା ବେଶ୍ ରହେ।
 - ସାଧାରଣତଃ ନଖରେ ମଇଳା ରହିଲେ ରୋଗ ହୋଇଥାଏ। ସେଥିପାଇଁ ନଖ ଠିକ୍ ସମୟରେ କାଟନ୍ତୁ।
 - ସଂସ୍କାରକୁ ୨-୩ ଥର କେଶ ସଫା କରନ୍ତୁ। ସେହିପରି ପାନିଆକୁ ମଧ୍ୟ ନିତଦିନ ସଫା ରଖନ୍ତୁ।

ଖରାଦିନିଆ ଜୋତା

ଖରାଦିନେ ଆରାମଦାୟକ ଏବଂ ଷ୍ଟାଇଲିଶ୍ ପୁରୁଷଙ୍କ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକ। ଏହା ପାଦକୁ ଆରାମଦେବା ସହ ଖରାକୁ ସୁରକ୍ଷା ଦେଇଥାଏ।

ବେଲିଙ୍ଗ
ପାଦକୁ ଘୋଡ଼ାଇ ରଖିବାକୁ ବାହୁଁଥିଲେ ବେଲିଙ୍ଗ ଜୋତା ସେହିପରିକି ଏହା ବଜାରରେ ସୁଲଭ ମୂଲ୍ୟରେ ଉପଲବ୍ଧ।

ସ୍କିକ୍
ଖରାଦିନେ ପଡ଼ଳା ସ୍କିକ୍ ଆରାମଦାୟକ ହୋଇଥାଏ। ଏହା ଉତ୍ତମ ଆଧୁନିକ ଏବଂ ପାରମ୍ପରିକ ଆଉଟ୍‌ଡ୍‌ରକୁ ଭଲ ମାନିଥାଏ।



